



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 6, 2011/पौष 16, 1932
No. 4] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 6, 2011/PAUSA 16, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 2011

विषय : चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर और उसकी वस्तुओं के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम ।

सं. 14/28/2009-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण), नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है—

- उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को घरेलू उद्योग की ओर से मै. ओवन्स कार्निंग इंडिया लि., मुंबई तथा मै. ओ सी वी रीड्न्फोर्समेंट मैन्युफैक्चरिंग लि., हैदराबाद से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर और उसकी वस्तुओं के पाटन का आरोप लगाया गया है ।
- आवेदन की प्रारंभिक जांच से कुछेक कमियों का पता चला जिन्हें बाद में आवेदक ने सुधार दिया था । अतः आवेदन को समुचित रूप से प्रलेखित माना गया ।
- जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की जांच शुरू करने का निर्णय लिया ।
- प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया ।
- प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 8 जनवरी, 2010 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, आसाधारण में प्रकाशित किया गया ।

- vi. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति समस्त ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक ने उपलब्ध कराए थे) तथा उद्योग एसोसिएशनों को भेजी और उन्हें लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।
- vii. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति भारत में संबद्ध वस्तु समस्त ज्ञात आयातकों के पास ही भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।
- viii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति भारत में संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को भेजी । आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई ।
- ix. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी ने संगत सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश से निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को भी प्रश्नावलियां भेजीं ।
 - (क) चांगक्विंग पोलीकोम्प इंटरनेशनल कार्प, ददुपोऊ जिला, चांगक्विंग, चीन- 400082
 - (ख) जूसी ग्रुप कं. लि., 699, बैनहेम रोड (द.), टांगजियांग इकॉनामिक डेवलपमेंट जोन, तांगजियांग सिटी, झेजियांग प्रांत-314500, चीन
 - (ग) ताईसांग फाइबर ग्लास इंक. इकॉनामिक डेवलपमेंट जोन, ताइआन, शैंगडोंग, चीन
 - (घ) जिबो पीपीजी सिनोमा जिनजिंग फाइबर ग्लास कं. लि., 202, झांगजिन रोड, जिबो, शेनडोंग प्रांत-255086
- x. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में चीन के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है:
 - (क) जूसी ग्रुप कं. लि. (जिसे आगे "जूसी, टांगजियांग" भी कहा गया है)
 - (ख) सीएनबीएम इंटरनेशनल कार्पो.
 - (ग) जूसी ग्रुप जिउजियांग कं. लि.
 - (घ) चेंगझाऊ न्यू चेंगहाई फाइबर ग्लास कंपनी लि. ("एन सी एच")
 - (ङ) जियांगशू चेंघाई कंपोजिट मैटीरियल्स होल्डिंग कं. लि. (ओ सी एच)
 - (च) जूसी ग्रुप चेंगडू कं. लि.

- (छ) ताइसान फाइबर ग्लास इंक (सी टी जी या कंपनी)
- (ज) ताइसान फाइबर ग्लास जूचेंग कं. लि. ("जूचेंग" कंपनी)
- (झ) सिनोमा जिनजिंग फाइबर ग्लास कंपनी लि.
- (ट) शेनडांग एस्ट न्यू मैटीरियल्स कं. लि.
- (ठ) चाइना नेशनल मैटीरियल इंड इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो. (सिनोमा इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट, कंपनी)
- (ड) शेनडांग ताइसांग-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि. ("पी बी ओ," कंपनी)
- (च) पीपीजी सिनोमा जिनजिंग फाइबर ग्लास कंपनी लि.
- (छ) सिनोमा जिनजिंग फाइबर ग्लास कं. लि.

xi. प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद निम्नलिखित निर्यातक/उत्पादक ने उत्तर दिया :

- (1) झेजियांग जियानशान ग्लास फाइबर वीविंग फैक्टरी ।

xii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी:

- (क) कैमराक इंड. एंड एक्सपोर्ट्स लि.,
- (ख) पेन्टेयर वाटर इंडिया प्रा.लि.,
- (ग) एमियानटिट फाइबर ग्लास इंडिया लि.,
- (घ) सुन्दरम ब्रेक लाइनिंग्स लि.,
- (ङ) ग्रेफाइट इंडिया लि.
- (च) इंदौर कंपोजिट प्रा.लि.
- (छ) अक्श आप्टीफाइबर लि.
- (ज) बालाजी फाइबर रिइन्फोर्समेंट प्रा.लि.
- (झ) ओ के ग्लास फाइबर लि.
- (ञ.) जूसी (इंडिया) एफआरपी एक्सेसरीज प्रा.लि.
- (ट) स्काई फाइबर ग्लास सोल्युसन प्रा.लि.
- (ठ) आर्वी कम्पोजिट्स प्रा.लि.

xiii. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों /प्रयोक्ताओं ने उत्तर दिया है:

- (क) मै. कैमराक इंड एंड एक्सपोर्ट लि., इंडिया

- (ख) मै. जूसी (इंडिया) एफ आर पी एक्सेसरीज प्रा.लि.
- (ग) मै. ग्रेफाइट इंडिया लि.
- (घ) मै. पैसीफिक पाइप सिस्टम प्रा.लि.
- (ङ) मै. सकाई फाइबर ग्लास सोल्यूशन प्रा.लि.
- (च) मै. ई पी पी कंपोजिट्स प्रा.लि.
- (छ) मै. बालाजी फाइबर रिइन्फोर्स
- (ज) मै. आर्वी कंपोजिट्स प्रा.लि.
- (झ) मै. क्रश सिंटेथिक्स लि.
- (ञ.) मै. एमियांटिट फाइबर ग्लास प्रा. लि.

xiv. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा ।

xv. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी । संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावे स्वीकार किए हैं और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण प्रदान करने का निर्देश दिया गया था ।

xvi. आवेदक तथा अन्य घरेलू उत्पादकों से भी सूचना मांगी गई थी ।

xvii घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;

xviii यह जांच 1 अप्रैल, 2008 से 30 सितंबर, 2009 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण के संबंध में प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2005-06, 2006-07, 2007-08 की अवधि तथा जांच अवधि शामिल है ।

xix. प्रारंभिक जांच परिणाम 2 जून, 2010 को जारी किए गए थे और इसकी प्रति समस्त हितबद्ध पक्षकारों को उनकी टिप्पणियों के लिए भेजी गई थी । इसकी एक प्रति सभी संबंधितों के सूचनार्थ वैबसाइट पर भी साथ-साथ डाल दी गई थी । निर्दिष्ट प्राधिकारी की सिफारिशों के आधार पर वित्त मंत्रालय ने 14.7.2010 को अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया था ।

xx. नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 29 जुलाई, 2010 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने के लिए समस्त हितबद्ध पक्षकारों को अवसर भी प्रदान किया था । सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त करने वाले हितबद्ध पक्षकारों से मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने और उसके बाद एक सप्ताह के भीतर अपने उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ।

xxi. सहयोगी तथा प्रतिवादी निर्यातकों और आयातकों के बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत से संबंधित दावों का सत्यापन करने के लिए मौके पर सत्यापन किया गया था और सत्यापन के आधार पर सत्यापित निर्यातकों को गोपनीय आधार पर सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी तथा प्राप्त टिप्पणियों की इस अंतिम जांच परिणाम में विधिवत जांच की गई है जो संबद्ध जांच में संगतता के अधीन है।

xxii. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्य/आधार का प्रकटन 23 नवंबर, 2010 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर इस जांच परिणाम में भी विधिवत विचार किया गया है।

xxiii. *** यह चिन्ह इस अंतिम जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने उसे नियमानुसार गुणावगुण आधार पर गोपनीय ही माना है।

ख. विचाराधीन उत्पाद तथा समान घरेलू वस्तु

ख.1 विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद, जैसा कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना तथा प्रारंभिक जांच परिणाम में माना गया है, ग्लास रॉबिंग, ग्लास चोक्ड स्ट्रॉन्स, ग्लास चोक्ड स्ट्रॉन्स मैट्स सहित फाइबर ग्लास तथा उसकी वस्तुएं हैं। विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विशेष रूप से न लाई गई वस्तुएं हैं- ग्लास वूल, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने गए फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियत पॉली यूरोथिन अथवा एक्रेलिक एमल्सन से सामान्यतः उपचारित चोक्ड स्ट्रॉन्स।

4(क) विचाराधीन उत्पाद के बारे में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं :

ख.2 घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचार

- (i) वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद "ग्लास वूल, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियत चोक्ड स्ट्रॉन्स को छोड़कर ग्लास फाइबर और उसकी वस्तुएं हैं।"
- (ii) विभिन्न प्रकार के ग्लास फाइबर का उत्पादन एक समान कच्ची सामग्री के उपयोग से किया जाता है और उसमें समान उत्पादन प्रक्रिया अपनाई जाती है।
- (iii) विश्व भर के विनिर्माताओं द्वारा उत्पादित कई ग्लास फाइबर उपभोक्ताओं के विभिन्न विशिष्ट अंतिम अनुप्रयोगों को पूरा करने के लिए होते हैं। अतः किसी उत्पादक द्वारा विभिन्न प्रकार का उत्पादन अनेक वाणिज्यिक एवं तकनीकी मापदंडों पर निर्भर होते हैं। घरेलू उद्योग के पास उत्पाद के वैश्विक प्रतिस्पर्धियों, जो वस्तुतः उत्पाद के निवेशक हैं, के साथ संबद्धता के कारण सभी प्रकार के ग्लास का उत्पादन करने की तकनीकी क्षमताएं हैं।

- (iv) जांच के दायरे से किसी भी प्रकार के ग्लास फाइबर को अलग नहीं रखा जाना चाहिए । किसी विशेष प्रकार का उत्पादन वाणिज्यिक कारकों की वजह से नहीं किया जाता है (देश में मुख्यतः पर्याप्त मांग की उपलब्धता और सच यह है कि इसका उत्पादन भारत के बाहर स्थित समकक्षों द्वारा किय जा रहा है) ।

4(ख) प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- (क) अंतिम जांच परिणाम में शामिल समस्त ग्लास फाइबर एक ही उत्पाद है ।
- (ख) यह तथ्य कि उत्पाद का उत्पादन बड़ी संख्या में अलग-अलग प्रकारों में किया जाता है, जिसमें अलग-अलग प्रकार संबद्ध उत्पाद के गुणधर्मों तथा अंतिम अनुप्रयोग के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं, कीमत से तात्पर्य यह नहीं निकलता है कि वे विशिष्ट वस्तु/उत्पाद हैं ।
- (ग) प्राधिकारी द्वारा विचाराधीन उत्पाद के दायरे से कुछेक प्रकारों को अलग रखने के लिए विचारित आधार कानून और व्यवहार के असंगत है ।
- (घ) जिस उत्पाद प्रकार को अलग रखने और जिस उत्पाद प्रकार को शामिल करने की मांग की गई है, वे एक समान सीमाशुल्क वर्गीकरण में आते हैं ।
- (ङ) वर्तमान मामले में, अलग रखे गए उत्पाद के नाम पर पाटनरोधी शुल्क से बचाव और उसके उल्लंघन की संभावना काफी अधिक है ।

ख.3 विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों (आयातकों तथा निर्यातकों) के विचार

4(ग) चीन से आयातित माइक्रोग्लास फाइबर एक विशिष्टतायुक्त उत्पाद है और वह ग्लास फाइबर से अलग है । इसका उपयोग बैटरी सेपरेटरों और उच्च कुशलता वाले वात एवं तरल फिल्टर मीडिया के विनिर्माण में किया जाता है और उसकी विशेष विनिर्माण प्रक्रिया होती है । इस विशेष कम व्यास के ग्लास फाइबर का कोई घरेलू विनिर्माता नहीं है । इसके अलावा, माइक्रो ग्लास फाइबर का आयात सेपरेटरों के उत्पादन के लिए किया जाता है जिसका भारत में पहली बार उत्पादन किया जा रहा है । माइक्रो ग्लास फाइबर के आयात से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है ।

- I. यदि आयातित वस्तु का बीजकगत वर्णन "ग्लास वूल" है, तो उसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए ।
- II. सी.शु. शीर्ष 70199000 (अन्य) के अंतर्गत आने वाले ग्लास टिश्यू का चीन से आयात किया गया है और इसे जांच के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए ।
- III. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद विरोधी पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

(क) ग्लास वूल को अलग रखने के लिए एक स्पष्टीकरण अधिसूचना जारी की जाए क्योंकि सीमाशुल्क द्वारा कभी-कभी अलग रखे जाने के बाद भी इस पर पाटनरोधी शुल्क की मांग की जाती है। यह भी बताया गया है कि रोविंग, सी एस, सी एस एम विशिष्ट उत्पाद हैं। यहां तक कि डायेक्ट रोविंग और संयोजित रोविंग अलग-अलग उत्पाद हैं। इसके अलावा, भारत में एच एस कोड अथवा एग्जिम कोड में रोविंग, सी एस एम और सी एस को अलग-अलग उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। यह भी बताया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा संलग्न एस आई ओ एन मानदंडों में रोविंग, सी एस, सी एस एम को अलग-अलग उत्पाद दर्शाया गया है औ उसमें पृथम मानदंड दिखाए गए हैं। इसके अलावा, प्रक्रियाओं को रोविंग, सीएस, सी एस एम आदि के लिए अलग-अलग पेटेंट कराया जाता है। अतः ये अलग-अलग उत्पाद हैं। यहां तक कि ओवन्स की अपनी वेबसाइट में भी रोविंग, सी एस, सी एस एम आदि के लिए अलग-अलग पर्याप्त ब्यौरे उपलब्ध हैं।

(ख) कोड 7019 के उत्पाद क्षेत्र में ऐसे कुछेक प्रकार निहित हैं जिन्हें दायरे में शामिल नहीं किया गया है। उत्पाद क्षेत्र अत्यंत व्यापक और अस्पष्ट है और उसमें ऐसे उत्पाद शामिल हैं जिनका विनिर्माण घरेलू उद्योग करता ही नहीं है।

(ग) सिलिब, थिनशीट (वायल), वैब, मैटर्स, बोर्ड और इसी प्रकार के नॉन वोवन उत्पादों जैसे कई उत्पादों को अलग रखा जाना चाहिए क्योंकि इनका उत्पादन घरेलू उद्योग नहीं करता है।

(घ) प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा 8 में यह उल्लेख है कि फाइबर के सभी प्रकार री इन्फोर्समेंट के एक समान कार्य करते हैं जबकि पैरा 5 में यह उल्लेख है कि इसका उपयोग थर्मल इंसुलेशन, इलैक्ट्रिक इंसुलेशन, ध्वनि अवशोषण, ताप एवं अपक्षरण के लिए किया जाता है- इनमें से कोई भी री इन्फोर्समेंट नहीं है। यह भी बताया गया है कि यह कहना गलत है कि ग्लास फाइबर के परिवर्तकों की एक समान कीमत होती है।

(ङ) आर्मस्ट्रॉंग वर्ल्ड इंडस्ट्रीज, चीन जन.गण. से ग्लास फाइबर एकोस्टिकल सीलिंग टायलों का आयात करती है। यह वस्तु घेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु से कहीं मेल नहीं खाती है और इसका भारत में उत्पादन नहीं होता है। इन्हें अलग रखा जाना चाहिए।

(च) यह कहना गलत है कि समान वस्तु के बारे में किसी पक्षकार ने कोई आपत्ति व्यक्त नहीं की है।

(छ) घेलू उद्योग द्वारा उत्पादित बोरोन फ्री एडवेन्टेक्स तथा चीन से आयातित ई ग्लास में अंतर है। ई ग्लास का उपयोग अंतरनिहित विशेषताओं और कीमत के कारण एडवांटेक्स ग्लास के स्थान पर नहीं किया जा सकता।

ख IV प्राधिकारी द्वारा जांच

5. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यथापरिभाषित विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र निम्नानुसार है:-

"वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ग्लास रोबिंग, ग्लास चोक्ड स्ट्रांड्स, ग्लास चोक्ड स्ट्रांड्स मैट्स सहित फाइबर ग्लास तथा उसकी वस्तुएं हैं। विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विशेष रूप से न लाई गई वस्तुएं हैं- ग्लास वूल, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने गए फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियत पॉली यूरोथिन अथवा एक्रेलिक एमल्सन से सामान्यतः उपचारित चोक्ड स्ट्रांड्स।"

6. ग्लास फाइबर की वस्तुओं का निर्माण ग्लास के अत्यंत परिष्कृत फाइबर से किया जाता है। ग्लास फाइबर की वस्तुएं अनिवार्यतः रिइन्फोर्समेंट सामग्री होती है। ग्लास फाइबर की वस्तुओं के विभिन्न उपयोगों में थर्मल इन्सुलेशन, इलैक्ट्रीकल इन्सुलेशन विभिन्न सामग्री का रिइन्फोर्समेंट, टेंट पोल, ध्वनि अपशोषण, ताप एवं क्षरणरोधी वस्त्रों, उच्च क्षमता के फैब्रिक, कोलवाल्ड कोल, ऐरो बाओज तथा क्रास बाओज, ट्रांसलुसेंट रूफिंग पैनल, आटोमेटिव बॉडियों, हॉकी स्टिक, सर्फबोर्ड्स, बोट हुल्स तथा पेपर हनीकॉम्ब शामिल हैं। संबद्ध वस्तु सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 70 के उपशीर्ष सं. 7019 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण के संदर्भ के प्रयोजनार्थ है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

7. ग्लास फाइबर ग्लास का अत्यंत परिष्कृत फाइबर होता है। कुछ सामग्री को पूर्व निर्धारित संरचना में लाया जाता है, बैच प्रक्रिया में उसे भट्टी में उच्च तापमान पर गलाया जाता है। गलाई गई सामग्री फाइबर तैयार करने के लिए बूसिंग के जरिए तैयार की जाती है। फाइबरीकरण की प्रक्रिया के तहत कुछ रसायनों का प्रयोग किया जाता है और सामग्री का शोधन किया जाता है। इस प्रकार से उत्पादित फाइबर को वस्तुओं की व्यापक किस्म प्राप्त करने के लिए आफ लाइन या ऑन लाइन आगे प्रसंस्कृत किया जाता है। आफ लाइन या ऑन लाइन प्रक्रिया में अतिरिक्त संयंत्र या उपकरणों को शामिल किया जा सकता है।

8. याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि सभी प्रकार के ग्लास फाइबर में अनिवार्यतः समान भौतिक एवं तकनीकी विशेषताएं हैं। उसके उत्पादन की प्रक्रिया में अनिवार्यतः समान प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है, इसका उत्पादन समान कच्ची सामग्री के उपयोग से किया जाता है, इसके कार्य समान होते हैं (अर्थात् रिइन्फोर्समेंट सामग्री की तरह), कीमत समान होती है। अंतिम अनुप्रयोगों पर निर्भर रहते हुए ग्लास फाइबर का उत्पादन कई प्रकार के अलग-अलग रूप में किया जाता है जो निम्नलिखित उत्पाद गुणधर्मों के संबंध में विशिष्ट हैं-

(क) उत्पाद का स्वरूप - फाइबर ग्लास के विभिन्न स्वरूपों को रोबिंग, प्रत्यक्ष रोबिंग, वल्मेनाइज्ड प्रत्यक्ष रोबिंग, ड्राइ यूज्ड चोक स्ट्रांड, वेट यूज्ड चोक स्ट्रांड, इमल्सन बाइंडर के साथ चोक्ड स्ट्रांड मैट, पाउडर बाइंडर से युक्त चोक्ड स्ट्रांड मैट, इमल्सन बाइंडर वाली कंटीन्यूअस फिलामेंट मैट, पाउडर बाइंडर युक्त कंटीन्यूअस फिलामेंट मैट के जरिए किया जा सकता है।

(ख) घनत्व-ग्लास फाइबर का उत्पादन अलग-अलग घनत्व/लाइनियर घनत्व में किया जा सकता है। ग्लास फाइबर के घनत्व और लाइनियर घनत्व को क्रमशः जी एस एम (अर्थात् ग्राम प्रति वर्ग मीटर) तथा टैक्स (ग्राम/किलोमीटर) के संबंध में मापा जाता है।

9. यह नोट किया जाता है कि विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि रोविंग, सी एस, सी एस एम का वर्गीकरण किया जाता है और ग्लास फाइबर के अलग-अलग प्रकार वस्तुतः अलग-अलग/विशिष्ट उत्पाद हैं। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच की है और यह माना है कि फाइबर ग्लास के अलग-अलग प्रकारों का उत्पादन वही अथवा उसी जैसी कच्ची सामग्री के उपयोग से किया जा रहा है और शामिल उत्पादन प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण प्रक्रिया मूलतः कुछेक प्रकारों के मामले में अपेक्षित कुछ वृद्धिकारी प्रसंस्करण के साथ एक समान है। यह भी नोट किया जाता है कि अलग-अलग प्रकारों में मोट तौर पर एक जैसी भौतिक, रासायनिक और तकनीकी विशेषताएं होती हैं और उनका उपयोग मूलतः रीइन्फोर्समेंट प्रयोजनों के लिए किया जाता है। यद्यपि यह सच है कि कई उत्पाद प्रकारों के लिए अतिरिक्त उत्पादन कार्यकलापों की जरूरत होती है तथापि, वे केवल वृद्धि कारी होते हैं और उनसे उत्पाद के मूलभूत गुणधर्मों में परिवर्तन नहीं होता है। जहां तक सीमाशुल्क वर्गीकरण में अंतर का संबंध है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संदर्भ के लिए होते हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि भौतिक विशेषताओं अथवा अलग-अलग प्रकारों की कीमत में अंतर से यह उत्पाद अलग उत्पाद नहीं बन सकते हैं और यह उचित तुलना सुनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ नितांत संगत हैं।

10. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से वर्जन के बारे में प्राप्त अनुरोधों की जांच की है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क की भी जांच की है कि "उसकी वस्तुएं" शब्द अत्यंत व्यापक और अस्पष्ट है और उसे उत्पाद के क्षेत्र में विनिर्दिष्ट नहीं किया जाना चाहिए। प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क से सहमत हैं कि उत्पाद विवरण के साथ संलग्न "उसकी वस्तुएं" न तो आवश्यक है और न ही उचित क्योंकि विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र सर्वथा स्पष्ट होना चाहिए और उसका कोई संभावित गलत अर्थ निरूपण नहीं होना चाहिए। अतः प्राधिकारी का प्रस्ताव उत्पाद विवरण से "उसकी वस्तुएं" शब्दों को हटाने का है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान बैटरी सेपरेटर, सरफेस मैट/सरफेस व्हील/टिश्यू में प्रयुक्त माइक्रो ग्लास फाइबर का उत्पादन नहीं किया है। इसके अलावा, इन प्रकारों के उत्पादन के लिए कुछेक अतिरिक्त उत्पादन सुविधाओं की जरूरत होती है जो घरेलू उद्योग के पास नहीं हैं। यद्यपि, यह सच हो सकता है कि इन उत्पाद प्रकारों में मात्र अतिरिक्त उत्पादन प्रक्रिया शामिल हो सकती है, तथापि घरेलू उद्योग के पास अपेक्षित उत्पादन सुविधाएं नहीं हैं और न ही वह बाजा में इसकी पेशकश कर सकता है। इसके अलावा, इन प्रकारों का उपयोग वहां नहीं किया जा सकता जहां विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में आने वाले अन्य प्रकारों का किया जाता है।

11. अतः प्राधिकारी वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद (सी एस) के इन प्रकारों को अलग रखते हैं। इस प्रकार, वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद ग्लास रोविंग, (संयोजित रोविंग (ए आर), डाइरेक्ट रोविंग (डी आर) ग्लास चोप्ड स्ट्रॉन्ड्स (सीएस), ग्लास चोप्ड स्ट्रॉन्ड्स मैट्स (सीएसएम) सहित फाइबर ग्लास हैं। विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विशेष रूप से न लाई गई वस्तुएं हैं- ग्लास वूल, फाइबर ग्लास वूल, वूल रूप में फाइबर ग्लास इंसुलेशन, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने

गए फैब्रिक, ग्लास फाइबर फैब्रिक, ग्लास वीवन फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियत चोपड स्ट्रॉन्ड्स, बैटरी सेपरेटर में प्रयुक्त माइक्रो ग्लास फाइबर, सर्फेस मैट, सर्फेस व्हील/टीशू ।

ग. समान वस्तु

12. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है:

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

13. आवेदक ने दावा किया कि आवेदक के उत्पाद और संबद्ध देश के निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । दोनों भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वस्तु के वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं और आवेदक द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और यह दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं ।

14. प्राधिकारी ने इस मामले की जांच की है और यह नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक और रासायनिक विशेषताओं विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वस्तु के वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं और आवेदक द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है । हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों तथा चीन के उत्पादकों के परिसरों प किए गए मौके पर सत्यापन और घरेलू उद्योग के अनुरोधों से दोनों उत्पादों के बीच किसी खास अंतर का पता नहीं चला । यह दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । उपभोक्ता दोनों का अदल-बदल कर उपयोग कर रहे हैं । इस संबंध में किसी विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने कोई आपत्ति नहीं की है । पाटनरोधी नियमावली के अनुसार याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है ।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं आधार

15. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग की परिभाषा निम्नानुसार है:

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक

आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।

16. यह आवेदन घरेलू उद्योग के रूप में मै. ओवन्स कार्निंग इंडिया लि., मुंबई और मै. ओसीवी रिइंफोर्समेंट मैन्यू लि., हैदराबाद द्वारा दायर किया गया था । आवेदन का समर्थन गोवा ग्लास फाइबर लि., मुंबई ने किया था । जांच की शुरुआत के बाद गोआ ग्लास फाइबर ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में सूचना प्रदान की है । गोवा ग्लास द्वारा प्रदत्त सूचना का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के जरिए हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया था । इसके अलावा, कंपनी ने सत्यापन की स्वयं पेशकश की और प्राधिकारी ने गोवा ग्लास फाइबर के परिसरों में विस्तृत मौके पर सत्यापन/जांच की है ।

घ.1 विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

17. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने याचिकाकर्ता के आधार के बारे में कई तर्क दिए हैं जो संक्षेप में निम्नानुसार हैं :-

- (क) यह जांच पाटनरोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग की जरूरत को पूरा नहीं करती है ।
- (ख) दोनों आवेदक कंपनियां मै. ओवन्स कार्निंग (इंडिया) लि. और मै. ओ. सी. वी. रिइंफोर्समेंट मैन्युफैक्चरिंग लि. चीन के कई निर्यातकों से संबद्ध हैं ।
- (ग) कंपनियों द्वारा किए गए आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराए गए हैं परंतु उनकी संबद्ध कंपनियों द्वारा आयातकों को किए गए निर्यातों के ब्यौरे कंपनियों ने अभी तक उपलब्ध नहीं कराए हैं । प्राधिकारी को भ्रमित करने की कार्रवाई सोच समझकर की गई है और संबद्ध निर्यातक का नाम भी निर्यातकों की सूची में नहीं दर्शाया गया है ।
- (घ) कानून के अनुसार आधार सिद्ध करने का दायित्व घरेलू उद्योग पर है ।

18. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक आवेदक ने पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2005-07 के दौरान विचाराधीन उत्पाद की कुछ मात्रा का आयात किया था, जिसके बारे में कंपनी ने दावा किया कि उसने अनिवार्य स्थितियों में अपना उत्पादन बंद रहने के समय संबद्ध वस्तु का आयात किया था । कंपनी का उत्पादन महाराष्ट्र में बाढ़ के समय बाधित हो गया था । तथापि, अपनी विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी ने उत्पाद का आयात किया और उसकी बिक्री की । चूंकि विचाराधीन उत्पाद के ये आयात उत्पादन के अस्थायी स्थगन के समय किए गए हैं न कि जांच अवधि के दौरान, इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि इन आयातों से घरेलू उद्योग के रूप में अर्ह ठहरने के लिए कंपनी का आधार गलत सिद्ध नहीं होता है । इसके अलावा, एक आवेदक द्वारा ग्लास फाइबर के कुछ प्रकारों को नियमित आयात किया जा रहा है जो विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नहीं आते हैं । चूंकि ये आयात विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आने वाले उत्पाद नहीं हैं, इसलिए इन उत्पादों का आयात वर्तमान प्रयोजनार्थ किसी भी रूप में असंगत है । इसके अलावा एक आवेदक ने जांच अवधि के दौरान चीन से विचाराधीन उत्पाद के एक प्रकार का अल्प मात्रा में आयात किया है । कंपनी ने अनुरोध किया

है कि ये आयात बैच मार्किंग प्रयोजनों के लिए किए गए हैं क्योंकि उसके एक ग्राहक ने गुणवत्ता संबंधी मुद्दा उठाया था और उत्पाद की गुणवत्ता में कोई अंतर न होने की पुष्टि करने के लिए उक्त ग्राहक को चीन का उत्पाद उपलब्ध कराया गया था। जांच और हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों पर विचार करने के उपरांत प्राधिकारी यह मानते हैं कि इन आयातों की मात्रा अति अल्प (कुल आयातों का लगभग 0.1%, भारत में मांग का 0.05% तथा भारत के उत्पादन का 0.06%) है। यह भी माना जाता है कि कंपनी का ध्यान देश के भीतर उत्पादन पर लगातार बना हुआ है और उसने आयातों का सहारा नहीं लिया है। कंपनी ने प्रतिकूल व्यवहार नहीं किया है जो इन आयातों के कारण अन्य भारतीय उत्पादकों के प्रतिकूल हो। प्राधिकारी आगे घरेलू उद्योग के इस दावे को नोट करते हैं कि ये आयात या तो कंपनी ने किए हैं या उसने ऐसा करने की व्यवस्था की है और उसके बाद उसकी आपूर्ति ग्राहकों को की है, जिन्होंने घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त उत्पादों के संबंध में गुणवत्ता के मुद्दे उठाए थे।

19. पूर्वोक्त के मदेनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का अल्प मात्रा में आयात किए जाने से नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को पात्र माने जाने के बारे में कंपनी का आधार निष्फल नहीं हो जाता है।

20. जहां तक ओवन्स कार्निंग इंडिया द्वारा भारत को किए गए निर्यातों की मात्रा के बारे में चाइना ग्लास फाइबर इंड एसो. के तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक से संबद्ध चीन के उत्पादक ने कंपनी द्वारा किए गए कुल निर्यातों की पुष्टि करते हुए प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया है। अतः यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा किए गए निर्यातों पर विचार किया है और इससे स्थिति खराब नहीं होती है। चीन की संबद्ध कंपनी ने उसके द्वारा प्रदत्त सूचना का सत्यापन करने की कोशिश की है।

21. नियम 2(ख) के प्रावधान तथा इस मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर तीनों कंपनियों को पात्र घरेलू उत्पादक मानना उचित समझते हैं।

22. अतः प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि यह आवेदन पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है। इसके अलावा, मै. ओवन्स कार्निंग इंडिया लि., मै. ओसीवी रिइन्फोर्समेंट मैनु. लि. और मै. गोवा ग्लास फाइबर लि. को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" माना जा रहा है।

घ.2 घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

23. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अन्य मुद्दे उठाए हैं।

(क) विश्व बाजार को हुए चीन के निर्यातों से मात्रा और कीमत की निम्नलिखित पद्धति का पता चलता है।

अवधि	को निर्यात	कोड	व्यापार मूल्य	निवल भार (मी.ट.)	कीमत
2005	विश्व	7019	858,883,906 डॉ.	5,68,872	1.51 डॉ.
2006	विश्व	7019	1,180,047,237 डॉ.	7,90,115	1.49 डॉ.

2007	विश्व	7019	1,602,815,862डॉ.	10,85,215	1.48डॉ.
2008	विश्व	7019	1,861,245,490डॉ.	12,08,208	1.54डॉ.
2009	विश्व	7019	1,298,079,150डॉ.	9,76,643	1.33डॉ.

स्रोत: यूनीकॉमट्रेड डाटा

अतः यह अत्यंत स्पष्ट हो जाता है कि चीन के उत्पादकों द्वारा अपने निर्यात बाजारों में महसूस किए गए मंदी के प्रभाव के कारण उन्होंने अपनी कीमत में भारी कमी की है ताकि अपनी मात्रा बनाए रखी जा सके और कीमत में भारी कटौती शुरू की (कीमत में ऐसी कटौती के बावजूद चीन के उत्पादकों ने विश्व बाजार में लगभग 2.32 लाख मी.ट. की बिक्री गंवाई है जो भारतीय मांग की लगभग 4-5 गुना है) ।

(ख) चीन के उत्पादकों का यह दावा कि उनका उत्पाद एक घटिया उत्पाद है, निराधार है और यह पाटन को न्यायोचित ठहराने का प्रयास मात्र है ।

घ.3 विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

24. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे निम्नानुसार हैं :-

- (क) यह अनुरोध किया गया है कि 60% उत्पाद का उपयोग ग्लास फाइबर फैब्रिक, जी आ पी पाइप, पवन चक्की आदि में किया जाता है और यह महत्वपूर्ण अवसंरचनाएं हैं और कोई शुल्क लगाए जाने से इन क्षेत्रों को होने वाली आपूर्ति और इनकी प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी । यह भी कहा गया है कि पी पी जी, ओ सी वी चायना को छोड़कर चीन के फाइबर की गुणवत्ता भारतीय तथा यूरोपीय फाइबर की तुलना में घटिया है । इसके अलावा, उत्पादक के उत्पादन में प्रौद्योगिकी एक प्रमुख भूमिका निभाती है और प्राधिकारी को इस पर ध्यान देना चाहिए ।
- (ख) कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि यदि संघटक एवं विनिर्माण प्रक्रिया लगभग समान है तो भारतीय और चीन के उत्पादों की कीमतों में अंतर केवल भारतीय उत्पादकों के उच्च लाभ मार्जिन की वजह से है । इसके अलावा, मै. ओ सी वी इंडिया का भारतीय बाजार पर एकाधिकार है, जिसकी कीमतें विश्व में सबसे अधिक हैं । कंपनी की यह अनुचित और अव्यवहार्य व्यापार पद्धति है ।
- (ग) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क का अनुरोध केवल भारतीय बाजार से प्रतिस्पर्धा को समाप्त करने के लिए किया गया है और पाटनरोधी शुल्क लगाना सार्वजनिक हित में नहीं है ।
- (घ) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि याचिकाकर्ता ने सब्सिडी के लिए मात्र आरोप लगाया है परंतु कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है ।

- (ड) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि डी जी सी आई एस के आंकड़े विरोधी पक्षकारों को उपलब्ध नहीं कराए गए थे ।
- (च) जहां तक ई यू और तुर्की द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का संबंध है, कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि ई यू और तुर्की में चीन के उत्पादकों द्वारा किए गए पाटन की भारतीय जांच में कोई प्रासंगिकता नहीं है । इसका तात्पर्य यह नहीं है कि भारत में पाटन हुआ है और ई यू, तुर्की और भारतीय बाजार से चीन की वस्तुओं को अलग रखने हेतु ओवन्स कार्निंग ग्रुप का यह समन्वित प्रयास है ।
- (छ) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करने की जरूरत नहीं है ।

घ-4 प्राधिकारी द्वारा अन्य मुद्दों की जांच

25. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की है । जहां तक इस दावे का संबंध है, कि चीन के उत्पाद की गुणवत्ता घटिया है, यह नोट किया जाता है कि यह महज तर्क है । और इस तर्क की पुष्टि करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है और न ही हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गुणवत्ता में आरोपित अंतर की मात्रा बताई गई है । प्राधिकारी ने चीन और भारतीय उत्पादकों के संयंत्र के परिसरों के मौके पर सत्यापन को ध्यान में रखते हुए यह पाया है कि चीन के उत्पादकों द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रौद्योगिकी, उत्पादन प्रक्रिया और प्रस्तुत उत्पाद भारतीय उत्पादकों के उत्पाद से अत्यंत तुलनीय है । जांच से गुणवत्ता में ऐसे किसी संभावित अंतर का पता नहीं चला है जिससे कीमत में अंतर का औचित्य ठहराया जा सके ।

- (क) जहां तक इस दावे का संबंध है कि ओवन्स चीन की प्रतिस्पर्धा को समाप्त करने की कोशिश कर रही है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क केवल पाटन के अनुचित व्यवहार को समाप्त करने के लिए लागू किया जाता है और इसका उद्देश्य बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा को समाप्त करना नहीं है ।
- (ख) जहां तक डी जी सी आई एस के आंकड़ों को सार्वजनिक करने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि सौदेवार डी जी सी आई एस के आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना नहीं हैं । प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ सरकारी स्रोतों सहित कई स्रोतों से सूचना मांगी है । आगे यह नोट किया जाता है कि वह सूचना जिस पर भरोसा किया गया है और जिस सीमा तक उसे गोपनीय स्वरूप का नहीं माना गया है, उसका प्रकटन हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन विवरण के जरिए किया जा रहा है अपने हितों की रक्षा हेतु हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया जा रहा है ।

च. पाटन मार्जिन

च.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध

26. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ यह कहते हुए यह तर्क दिया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए कि:

(क) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता, जब प्रमुख शेरधारकों में से एक राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी हो - घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने निरंतर यह माना है कि ऐसे मामलों में राज्य के हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता जिनमें राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी का पर्याप्त हिस्सा होता है। यह तर्क दिया गया है कि यह केवल विगत हस्तक्षेपों का ही प्रश्न नहीं है, अपितु बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए संगत पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भविष्य में संभावित राज्य के हस्तक्षेप की संभावना ही है।

(ख) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि प्रमुख निविष्टियों की कीमत में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है : घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि "बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन" की व्यापक व्याख्या की गई है ताकि यह अर्थ निकाला जा सके कि इन निविष्टियों की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों से तुलनीय होनी चाहिए। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यह तथ्य अत्यंत अपर्याप्त है ऐसी कीमतें चीन जन.गण. में प्रचलित कीमत से तुलनीय हैं।

(ग) प्रमुख निविष्टियों में उपयोगिताएं शामिल होती हैं : घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध उत्पादों के उत्पादन हेतु उपयोगिता की एक प्रमुख मद के रूप में विद्युत तथा ईंधन की जरूरत होती है। यह स्पष्ट है कि यद्यपि, विद्युत आपूर्तिकर्ता राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है। तथापि, ईंधन के आपूर्तिकर्ता के बारे में अपर्याप्त सूचना उपलब्ध है। निर्यातकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उपयोगिताओं की कीमत में उचित बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं।

(घ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा जब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप की जाती है : घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के निर्यातकों ने बार-बार ऐसी स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को खारिज करने के लिए यूरोपीय आयोग के व्यवहार का खंडन किया है, जिनमें चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहे हैं कि उनकी बहियां चीनी जीएएपी के संगत हैं। ऐसे मामलों में चीन की कंपनियां यह तर्क देती आ रही हैं कि अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत कानून के दायरे में नहीं आती हैं।

(ङ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब भी प्रदान नहीं किया जा सकता जब एक भी मापदंड पूरा नहीं होता है : घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमों में निर्धारित प्रत्येक मापदंड के संबंध में जांच पर खरे नहीं उतरते हैं।

(च) सिद्ध करने का भार/दायित्व : घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यह दायित्व प्राधिकारी का नहीं है कि वह यह सिद्ध करे कि प्रतिवादी कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में वस्तुतः प्रचालन कर रही हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की पात्र हैं। इसके विपरीत यह सिद्ध करना चीन के प्रतिवादी निर्यातकों का दायित्व है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं।

(छ) रूपांतरण : घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि ऐसी स्थिति में जहां वर्तमान शेरधारकों ने स्वयं अपनी उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं परंतु उन्होंने किसी दूसरे पक्षकार से इन्हें हासिल किया है, वहां बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक दस्तावेजी साक्ष्य के जरिए रूपांतरण की प्रक्रिया की पूर्णतः पुष्टि न की गई हो।

(ज) प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- (i) चीन की एक कंपनी को प्रदत्त छूट न्यायोचित नहीं है। इस कंपनी ने अत्यधिक पाटन किया है। कंपनी ने अत्यंत उच्च कीमतों का दावा किया है जिसका सत्यापन निश्चित तौर पर सीमाशुल्क आंकड़ों से नहीं होगा।
- (ii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निर्धारण हेतु निर्यातकों के दावे स्वीकार किए हैं। इन दावों की डी जी सी आई एस की सौदेवा सूचना के साथ प्रति जांच की जानी चाहिए थी।
- (iii) मै. झेजियांग जियांशन ग्लास फाइबर वीविंग फैक्टरी ने सार्वजनिक सुनवाई से ठीक 1 सप्ताह से कम समय में उत्तर दायर किया और उनके उत्तर को अस्वीकृत किया जाना चाहिए। डब्ल्यू टी ओ ने सूचना दायर करने के लिए निर्यातकों के अधिकार और ऐसे सूचना को स्वीकार करने के लिए जांच प्राधिकारियों के दायित्व पर विस्ता से कार्रवाई की है। हितबद्ध पक्षकारों के पास अपनी मर्जी के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष प्रश्नावली का उत्तर दायर करने का अनिश्चित अधिकार नहीं होता है। अन्य मामलों में प्रश्नावली के उत्तर की स्वीकार्यता अन्य मामलों में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई जाने वाली ठोस न्यायिक प्रक्रिया अथवा नजीर नहीं हो सकती है। किसी आयातक के उत्तर की स्वीकार्यता को इस वजह से किसी निर्यातक/विदेशी उत्पादक से प्रश्नावली के उत्तर की स्वीकार्यता के बराबर नहीं माना जा सकता कि आयातकों का उत्तर केवल अन्य सूचना की पूरकता के लिए है। झेजियांग जियांशन ग्लास फाइबर वीविंग फैक्टरी ग्लास फाइबर की विनिर्माता भी नहीं है। यह मात्र प्रसंस्कर्ता है जो जूशी अथवा चीन के अन्य उत्पादकों से ग्लास फाइबर की खरीद करती है। निर्यातक ने ग्लास फाइबर के उत्पादक के रूप में स्वयं का दावा करने में प्राधिकारी को अत्यधिक भ्रमित किया है।
- (iv) चीन की 10 से अधिक कंपनियों ने जांच की शुरुआत का उत्तर दिया है लेकिन केवल 2 कंपनियों ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया है। इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए और निर्दिष्ट प्राधिकारी को खासकर सत्यापन के समय इस पहलू पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।
- (v) लगाया गया अंतरिम पाटनरोधी शुल्क सहयोगी निर्यातकों के लिए 12.75% से 23.93% के बीच है (एक कंपनी "एन सी एच" पर पाटन और कोई क्षति न होने के आधार पर शून्य शुल्क लगाया गया है)। पाटनरोधी शुल्क का स्तर काफी कम है और उसमें उर्ध्वगामी संशोधन की जरूरत है। इस बात पर विचार करते हुए कि तुर्की को चीन से उच्चतर निर्यात कीमत होने के बावजूद तुर्की ने भारत को हुए चीन के निर्यातकों की तुलना में 38% शुल्क लगाया है, भारत में पाटनरोधी शुल्क की मात्रा कम से कम तुर्की द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मात्रा से अधिक होनी चाहिए।
- (vi) प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा किया गया निर्यात कीमत का दावा विश्वसनीय प्रतीत नहीं होती है। चीन के निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यात कीमत के दावे भारतीय सीमाशुल्क को सूचित कीमत से मेल नहीं खाते हैं। वैट बीजक एकमात्र ऐसा प्रामाणिक दस्तावेज है जिसे निर्यातक उस कीमत की पुष्टि के लिए उपलब्ध करा सकता है जिस पर वस्तु का निर्यात किया गया था। वाणिज्यिक बीजक और वैट बीजक का मिलान न कराने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता क्योंकि वैट बीजक चीनी सीमाशुल्क और वाणिज्यिक बीजक भारतीय सीमाशुल्क को प्रस्तुत किया जाता है। एक एफ ओ बी स्तर पर होता है जबकि दूसरा किसी भी स्तर पर हो सकता है।

- (vii) प्रतिवादी निर्यातक और तदनुरूपी आयातक के सौदों की सीमित संख्या होने के कारण निर्यातकों द्वारा किए गए दावों का मिलान आई बी आई एस तथा डी जी सी आई एंड एस द्वारा संकलित एवं एकीकृत आंकड़ों से करना जरूरी है ।
- (viii) निर्यातक के दावों और भारतीय सीमाशुल्क की रिपोर्टों में अंतर के मुद्दे की जानकारी पिछली कई जांचों में निर्दिष्ट प्राधिकारी को दी गई थी ।
- (ix) एक उत्पाद के संबंध में एक ही पाटन मार्जिन का निर्धारण अपेक्षित होता है ।

27. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त कई शर्तों को पूरा करने में विफल रहना यह मानने के लिए पर्याप्त है कि चीन की प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता और इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए । इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने ई सी द्वारा जारी किए गए प्रारंभिक जांच परिणामों और तुर्की द्वारा जारी किए गए प्रारंभिक जांच परिणामों और तत्पश्चात प्रकटन विवरण की ओर प्राधिकारी का ध्यान आकर्षित किया है जिनमें जांच प्राधिकारियों ने चीन की कंपनियों (मै. एन सी एच को छोड़कर जिसे ई सी ने बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया है) बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया है । याचिकाकर्ताओं ने यह भी तर्क दिया है कि ई सी ने चीन के उत्पादकों को अलग व्यवहार प्रदान करने से भी इंकार किया है जिससे स्पष्टतः यह सिद्ध होता है कि चीन के उत्पादक स्वयं बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के पात्र होने का दावा नहीं कर सकते ।

च.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

28. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

(क) देश के विकास के स्तर और विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए उचित ढंग से समुचित तीसरे देश के चयन के बारे में नियमों में उपबंध है ।

(ख) चीन में सामान्य मूल्य की पुष्टि करने के लिए दक्षिण कोरिया उचित प्रतिनिधिक देश नहीं है । उनके चयन के बारे में आवेदकों ने कोई कारण नहीं दिया है । इसके अलावा, द. कोरिया का निर्यातक एक संबद्ध निर्यातक है और इस प्रकार वह सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु उचित नहीं है ।

(ग) प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- i. जहां तक बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने का संबंध है, अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों द्वारा कच्ची सामग्री की आपूर्ति प्रभावित नहीं होती है और चीन में उपयोगिता दर भारत में प्रचलित दर के समान है । इसके अलावा, गैस की कीमतें गैस की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की दर पर रहती हैं और ये गैर बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों द्वारा प्रभावित नहीं होती हैं । बाजार अर्थव्यवस्था के

व्यवहार का दावा करने वाले निर्यातकों ने यह अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को सभी संगत आंकड़े प्रस्तुत कर दिए गए हैं ।

- ii. वेट के बो में यह अनुरोध किया गया है कि आयातित निविष्टियों के लिए समायोजन किए जाने चाहिए । 5% वेट वापसी दर पर विचार करते हुए अप्रत्यादेय वेट में वास्तविक अंतर गोपनीय आधार पर प्रदान किया गया है ।
- iii. यह अनुरोध किया गया है कि भौतिक विशेषताओं में अंतर का समायोजन करने की जरूरत है ।
- iv. यह अनुरोध किया गया है कि देश के वाणिज्य में प्रवेश करने वाली वस्तु (अग्रिम लाइसेंस, शुल्क मुक्त स्कीमों, ई ओ यू तथा एसीजेट के अंतर्गत आयात) का अलग रखा जाना चाहिए ।
- v. यह अनुरोध किया गया है कि उचित तीसरे देश के रूप में कोरिया और तुर्की पर विचार करना न्यायोचित नहीं है । चीन की अर्थव्यवस्था से कोई समानता नहीं है ।
- vi. यह अनुरोध किया गया है कि सभी संबद्ध कंपनियों के लिए अलग-अलग निर्धारण नहीं किया जाना चाहिए ।
- vii. यह अनुरोध किया गया है कि मात्र इस वजह से कि ई सी ने तुर्की को चीन हेतु एक प्रतिनिधि देश माना है, यह तात्पर्य नहीं निकाला जा सकता कि भारत द्वारा तुर्की को चीन हेतु प्रतिनिधि देश के रूप में भी माना जाए ।

यह अनुरोध किया गया है कि उत्पाद के विभिन्न ग्रेड अलग-अलग उत्पाद हैं और उनके अलग-अलग अंतिम उपयोग हैं । उनकी कीमत प्रणाली अलग-अलग है । अतः एक ही पाटन मार्जिन देना गलत है ।

(घ) प्रकटन विवरण के बाद विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध/टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं ।

- (i) घरेलू उद्योग ने यह कहते हुए विचाराधीन उत्पाद में कुछ परिवर्तनों का सुझाव दिया है कि इससे कार्यान्वयन के समय कोई अस्पष्टता नहीं रहेगी ।
- (ii) घरेलू उद्योग ने सामान्य तौर पर और खासकर सी पी आई सी में प्राधिकारी द्वारा संगठित पाटन मार्जिन के बारे में आवाज उठायी है । उन्होंने कहा है कि सीमा शुल्क से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार उनकी खुद की गणनाओं से उच्च पाटन मार्जिन बैठा है । उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पर पुनर्विचार करें ।

इसके अलावा, उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी द्वारा निकाले गए जांच परिणामों की पुष्टि करें और प्राधिकारी से मूल्यानुसार आयात शुल्क लगाने का अनुरोध किया है ।

- (iii) अन्य निर्यातकों ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि उसके द्वारा निर्धारित समायोजनों को ध्यान में रखते हुए प्रकटन विवरण में दिए गए मार्जिन की पुनः जांच करें ।
- (iv) मै. झेजियांग ग्लास फाइबर वीविंग फैक्टरी ने निर्यात कीमत, क्षति एवं कारणात्मक संबंध पर टिप्पणियां की हैं । उन्होंने खासकर प्राधिकारी से यह कहा है कि घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाली क्षति तथा कारणात्मक संबंध को इस तथ्य के मद्देनजर शामिल किया जाए कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली गिरावट आई है और घरेलू उद्योग की निवेश पर आय अधिक बनी हुई है । उन्होंने घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले अन्य क्षति मापदंडों पर भी टिप्पणियां की हैं और प्राधिकारी से कहा है कि इन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार करें । निर्यात कीमत के बारे में उन्होंने प्राधिकारी से निर्यातकों द्वारा वसूली गई राशि के अनुसार निर्यात कीमत का पुनः निर्धारण करने का अनुरोध किया है ।
- (v) मै. सी पी आई सी ने प्राधिकारी का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया है कि प्राधिकारी द्वारा की गई मार्जिन की गणनाओं में अग्रिम लाइसेंस पर अथवा एस ई जेड में किए गए आयात शामिल नहीं किए जाने चाहिए थे । उन्होंने प्राधिकारी से प्रकटन विवरण में किए गए प्रस्ताव के अनुसार उनके गैर-एम ई टी दर्जे की पुनः जांच की जाए । उन्होंने प्राधिकारी से ग्रेड-वार आधार पर शुल्क लगाने का भी अनुरोध किया है । इसके अलावा उन्होंने प्राधिकारी का ध्यान क्षति रहित कीमत के निर्धारण में अत्यधिक गोपनीयता की ओर आकर्षित किया है ।
- (vi) एक आयातक मै. सेरटेक्स इंडिया प्रा.लि. ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया है कि भारत में ग्लास फाइबर की कमी है और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से मांग तथा पूर्ति में अंतर बढ़ जाएगा तथा घरेलू उद्योग के लिए एकाधिकारवादी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी । उन्होंने यह भी कहा है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से देश में अनुषंगी उत्पादों का भारी आयात होगा ।
- (vii) मै. सी टी जी, पी डी ओ, मै. झोऊचेंग तथा मै. पी पी जी ने प्राधिकारी द्वारा स्वीकार न की गई निर्यात कीमत के संबंध में टिप्पणियां की हैं और प्राधिकारी से निर्यात कीमत पर पुनर्विचार करने तथा उपलब्ध तथ्यों पर उसे आधारित न करने का अनुरोध किया है ।

- (viii) मै. चाइना फाइबर ग्लास इंडस्ट्री एसोसिएशन ने प्रारंभिक जांच परिणामों के उत्तर में दी गई अपनी टिप्पणियां दोहराई हैं और प्राधिकारी से कारणात्मक संबंध के विश्लेषण की पुनः जांच करने तथा इस बात की जांच करने का अनुरोध किया है कि इस जांच में ली गई जांच अवधि वैश्विक मंदी के कारण प्रभावित हुई है। उन्होंने प्राधिकारी से इस तथ्य के मद्देनजर क्षति संबंधी कारकों की जांच करने का भी अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग पर मात्रात्मक तथा कीमत प्रभाव नहीं पड़ा है। उन्होंने प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई लगाई गई पूंजी पर 22% आय पर भी टिप्पणियां की हैं और इस पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी टिप्पणी की है कि प्राधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती मामलों की पृष्ठभूमि में चीन की कंपनियों को एम ई टी प्रदान करने पर विचार किया जाए।
- (ix) मै. एन सी एच और ओ सी एच ने अनुरोध किया है कि उनके निर्यात को प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने पूर्ण निर्यात आय प्राप्त की है।
- (x) अन्य आयातकों ने विचाराधीन उत्पाद में संशोधन के बारे में टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं।
- (xi) मै. जुशी ग्रुप कंपनी ने प्राधिकारी ने अनुरोध किया है कि भारतीय सहायक कंपनी के एस जी ए एवं लाभ पर विचार करने के लिए उनकी निर्यात कीमत में से सैद्धांतिक लाभ पर पुनर्विचार किया जाए।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

29. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के उपर्युक्त अनुरोधों का निम्नानुसार विश्लेषण किया है :

(क) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के उपर्युक्त अनुरोधों की जांच की है। जहां तक बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने वाले विभिन्न उत्पादकों और निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किए जाने का संबंध है, इस पर सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन शीर्षक के अंतर्गत विचार किया गया है। निर्यात कीमत के निर्धारण और आयातित निविष्टियों के संबंध में कटौती में वैट के व्यवहार का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि निर्यात कीमत का निर्धारण अप्रत्यादेय वैट और सत्यापन दौरे के बाद प्राधिकारी द्वारा सत्यापित आयातित निविष्टियों को भी ध्यान में रखने के बाद किया गया है। भौतिक और अन्य विशेषताओं में समायोजनों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने समान प्रकारों की तुलना की है और समग्र उत्पाद हेतु पाटन मार्जिन निर्धारित करने से पूर्व प्रत्येक प्रकार के लिए पाटन मार्जिन निकाला है। जहां तक अग्रिम लाइसेंस की प्रणाली अथवा एसीजैड में आयातों के कारण देश के वाणिज्य में प्रवेश न करने वाली संबद्ध वस्तु का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि इन आयातों पर पाटन एवं क्षति के आकलन के प्रयोजनार्थ ध्यान दिया गया है क्योंकि इन पाटित आयातों से इन निर्यातकों को उनकी आपूर्तियों बढ़ाने में घरेलू उद्योग को उपलब्ध अवसर प्रभावित होते हैं और उस सीमा तक संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट आती है।

(ख) इसके अलावा, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु कोई प्रतिनिधि देश नहीं चुना है। अन्य दावों के बो में प्राधिकारी ने विभिन्न पक्षकारों के उपर्युक्त अनुरोधों की जांच इस जांच परिणाम के विभिन्न शीर्षकों में की है।

(ग) प्रकटन विवरण के उत्तर में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियों के संबंध में यह नोट किया गया है कि अधिकांश टिप्पणियां पूर्व में प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए तथ्यों की पुनरावृत्ति हैं और विभिन्न शीर्षों के तहत उनकी जांच की गई है। विभिन्न निर्यातकों के संबंध में प्रकटन विवरण में निर्धारित मार्जिनों के संबंध में यह नोट किया गया है कि उनकी दोबारा जांच की गई है और पाटन मार्जिनों तथा क्षति मार्जिनों की तालिका में उन्हें विधिवत दर्शाया गया है। घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले विभिन्न मानदंडों के बारे में यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में विभिन्न शीर्षों के तहत सभी अनिवार्य क्षति मानदंडों और कारणात्मक संबंध का विश्लेषण किया है। सी पी आई सी को नॉन-एम ई टी प्रदान किए जाने के संबंध में यह नोट किया गया है कि पाटन शीर्ष के तहत उसका विश्लेषण किया गया है। शुल्क निर्धारण की पद्धति के बारे में यह नोट किया गया है कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि विचाराधीन उत्पाद के अनेक ग्रेड, लागत तथा कीमतें हैं और संदर्भ कीमत के तहत शुल्क तथा निर्धारित शुल्क इस कारण से समुचित अथवा संगत नहीं होगा क्योंकि इससे निम्नतर मूल्य उत्पादों पर उच्चतर शुल्क और उच्चतर मूल्य के उत्पादों पर निम्नतर शुल्क अधिरोपित होगा। पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के पश्चात भारत में मांग-आपूर्ति के अंतराल के संबंध में यह नोट किया जाता है कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार प्रथा के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली तथा निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के हित में है। पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण से संबद्ध देश से आयात किसी भी प्रकार से बाधित नहीं होगा; और इसलिए उपभोक्ताओं हेतु उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(घ) पी पी जी ग्रुप कंपनी की निर्यात कीमत की स्वीकृति के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा उसका विश्लेषण किया गया है और पाटन मार्जिन के संबंध में वे अपने जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं जिनका विस्तृत ब्यौरा निर्यातक की सत्यापन रिपोर्ट और प्रकटन विवरण में दिया गया है। इस अंतिम जांच परिणाम में क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में की गई टिप्पणियों का विभिन्न शीर्षों के तहत विस्तृत विश्लेषण किया गया है। नियोजित पूंजी पर आय के संबंध में 22% की दर लागू करने के बारे में यह नोट किया गया है कि यह प्राधिकारी की संगत कार्य पद्धति पर आधारित है। चीन की कंपनियों को एम ई टी के संबंध में यह नोट किया गया है कि प्रकटन विवरण और सहयोगी निर्यातकों की सत्यापन रिपोर्ट (गोपनीय) में इसकी विस्तृत जांच की गई है।

(ङ) अपनी निर्यात कीमत में से अनुमानित लाभ की कटौती करने के बारे में जुशी ग्रुप ऑफ कंपनी के दावे के संबंध में यह नोट किया गया है कि इसकी जांच की गई है और भारतीय सहायक कंपनी के एस जी ए और लाभ को ध्यान में रखते हुए निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन
सामान्य अभ्युक्तियां

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों के द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को वर्तमान निर्धारण के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त नियमों के अनुसार उपर्युक्त अनुमान के खंडन के अधीन है ।

31. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं और उनमें से 2 ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी सूचना के बाद बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन किया है । प्रतिवादी उत्पादकों तथा निर्यातकों के

प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था के उत्तरों की जांच संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निम्नानुसार की गई है :-

एम ई टी के इच्छुक प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक

मै. चेंगझाऊ न्यू चेंगहाई फाइबर ग्लास कंपनी लि. ("एन सी एच") और मै. जियांगशु चेंगहाई कंपोजिट मैटीरियल होल्डिंग कंपनी लि. (ओ सी एच)

33. एन सी एच तथा ओ सी एच ने इस मामले में संबद्ध वस्तु के उत्पादक तथा निर्यातक के रूप में प्रश्नावली का उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर (एम ई टी) भी दायर किया है। यह अनुरोध किया गया है कि मै. एन सी एच संबद्ध उत्पाद का उत्पादन करती है, घरेलू बाजार में उसकी बिक्री करती है और भारत सहित अन्य देशों को निर्यात करती है। संबद्ध उत्पाद के विनिर्माण में एक संबद्ध कंपनी ओसीएच द्वारा उजरती कार्य आधार पर कुछ कार्यकलाप किए जाते हैं। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार की गई जांच के आधार पर और सत्यापन रिपोर्ट एवं प्रकटन विवरण में दिए गए कारणों से यह पाया गया था कि संबद्ध फर्मों-ओ सी एच एवं एन सी एच के लिए बाजारी स्थितियां पर्याप्ततः विद्यमान थी। तदनुसार एन सी ए और ओ सी एच को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया गया था।

एन सी एच के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

34. सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु उसके द्वारा दावा किए गए विभिन्न समायोजनों सहित परिशिष्ट 2 और 3 की जांच की। सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उसके द्वारा दावा किए गए विभिन्न समायोजनों सहित परिशिष्ट 2 और 3 की जांच की। सत्यापन के दौरान कंपनी से यह कहा गया था कि वह भारतीय आयातकों से प्राप्त भुगतान का ब्यौरा दर्शाते हुए समस्त संगत कागजात प्रस्तुत करे। तथापि, कंपनी संगत रिकॉर्ड दिखाने में असमर्थ रही और सामान्य बैंकिंग माध्यमों के जरिए भारतीय ग्राहकों से प्राप्त निर्यात आय से संबंधित समस्त दस्तावेज भी नहीं दिखा सकी। सत्यापन के दौरान उपर्युक्त के मद्देनजर निर्यातकों की निर्यात कीमत का प्राधिकारी द्वारा सत्यापन नहीं किया जा सका। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने मै. एन सी एच की निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है।

35. चूंकि प्राधिकारी द्वारा इस तथ्य के मद्देनजर किसी निर्यात कीमत का सत्यापन नहीं किया गया है कि प्रतिवादी निर्यातक भारत को हुए संबद्ध वस्तु के निर्यातों के संबंधित समस्त आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने में समर्थ नहीं रहे हैं, मै. एन सी एच को पृथक पाटन मार्जिन प्रदान करना उचित नहीं माना गया है।

चोंगक्विंग पॉलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी) के एम ई टी दावे की जांच

36. सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया कि कंपनी पी आ सी के विदेश व्यापार तथा आर्थिक निगम मंत्रालय के अनुमोदन से 27 अगस्त, 1991 को मूलतः स्थापित की गई थी। मूल निवेशक चोंगक्विंग ग्लास फाइबर फैक्टरी (जिसे आगे "सी जी एफ" कहा गया है) थे, जो राज्य की स्वामित्व

वाली कंपनी पी सी इंटरनेशनल इंक. है (जिसे आगे "पी सी आई" कहा गया है), ग्लास स्ट्रांट इंक. (जिसे आगे "जी एसआई" कहा गया है), और पॉलीसिस इंक (जिसे आगे "पी आई" कहा गया है) और पंजीकृत पूंजी *** मिलियन अम.डॉ. की थी । जहां तक स्वामित्व का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि मै. सी पी आई सी एक प्रमुख राज्य स्वामित्व वाली कंपनी है जिसका प्रबंधन सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध यूनाईटेड यूनाइटेड कंपनी लि. (वाई वाई सी एल), कार्ललाइन ग्रुप, जो विश्व की सबसे बड़ी निजी युक्ति वाली फर्मों वाली फर्मों में से एक है और अमरीका तथा सऊदी अरब के शेयर धारकों के पास है ।

37. इस बात को ध्यान में रखते हुए कि उक्त कंपनी ने राज्य का अत्यधिक नियंत्रण है और यह कंपनी राज्य के अधिकांश स्वामित्व में है और यह भी कि अधिकांश निदेशक राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी के हैं, सी पी आई सी को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करना उचित नहीं माना जाता है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार की गई जांच के आधार पर और सत्यापन रिपोर्ट एवं प्रकटन विवरण में दिए गए कारणों से इस संबंध में सी पी आई सी को एम ई टी प्रदान नहीं किया गया है ।

अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

38. जिन उपर्युक्त उत्पादकों और निर्यातकों ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और एम ई टी व्यवहार का दावा किया है, उनके अलावा, निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है तथा उनके द्वारा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन की पेशकश की है । इन उत्पादकों और निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा नहीं किया है और अपनी निर्यात कीमत के आधार पर पृथक पाटन मार्जिन की मांग की है ।

- (क) जुसी ग्रुप चेंगडू कं. लि. (उत्पादक तथा निर्यातक)
- (ख) जुशी ग्रुप कं.लि. (उत्पादक तथा निर्यातक)
- (ग) जुशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.
- (घ) शेनडांग ताईशान-पीडीओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.-उत्पादक तथा निर्यातक
- (ङ) ताईसान फाइबर ग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)
- (च) ताईशान फाइबर ग्लास झाऊ चेंग कंपनी लि.
- (छ) पी पी जी सिनोमा जिनजियांग फाइबर ग्लास कंपनी, लि.

39. यह नोट किया जाता है कि इनमें से किसी उत्पादक तथा निर्यातक ने एम ई टी उत्तर दायर नहीं किया है और उन्होंने इस उत्तर में एम ई टी व्यवहार का दावा भी नहीं किया है । प्राधिकारी स्मरण करते हैं कि यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन तभी किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक इसके विपरीत सिद्ध करने के लिए पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना तथा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें । इस मामले में चीन के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों से बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा 3 में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित था ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध नियमावली में सूचीबद्ध मानदंडों पर विचार कर सकें । तथापि, चूंकि इन उत्पादकों और/निर्यातकों में

उपर्युक्त नियमावली के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन नीचे उल्लिखित मानदंड के आधार पर किया गया है ।

चीन जन.गण. के जिन उत्पादकों तथा निर्यातकों ने एम ई टी का दावा नहीं किया है और जिनका एम ई टी दावा स्वीकार नहीं किया गया है उनके लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

40. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 में यह उपबंध है कि:

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।"

41. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है प्राधिकारी चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करना उचित नहीं समझते हैं । अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमानुसार किया जा रहा है । जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में चीन हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उचित प्रतिनिधि देश के रूप में कोरिया की उपयुक्तता के बारे में समस्त हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां मांगी गई थीं । जांच शुरुआत के बाद कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने प्रतिनिधि देश के रूप में कोरिया पर विचार किए जाने का विरोध किया है । उन्होंने यह दावा किया है कि प्राधिकारी को बाजार के प्रतिनिधित्व, संबद्ध बाजार के आकार और इस तथ्य पर विचार करना चाहिए कि क्या समान देश में हुए सौदे की मात्रा भारत को ऐसे एनएमई देश से हुए निर्यात पर कम से कम 5% है । बाजार के खुलेपन, कारगर प्रतिस्पर्धा, कच्ची सामग्री की पहुंच और इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या संबद्ध देश और समान देश में कच्ची सामग्री की पहुंच में भारी अंतर है । इसके अलावा, एक हितबद्ध पक्षकार ने चीन से गैस फ्यूल्ड नॉन रिफिलेबल फिलिन्ट लाइटर से संबंधित ई सी मामले का हवाला दिया है । उसने आगे यह दावा किया है कि चीन के लिए भारत उचित प्रतिनिधि देश है और चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत को प्रतिनिधि देश मानकर किया जाना चाहिए ।

42. इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के विचारों/अनुरोधों की जांच की गई है । दिए गए तर्कों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिनिधि देश के रूप में कोरिया गण. को नहीं लिया है । प्राधिकारी ने प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमतों, घरेलू उद्योग के खपत कारक तथा घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत पर विचार करते हुए चीन जन गण के लिए सामान्य मूल्य की गणना की है । समग्र विचारधाराधीन उत्पाद के लिए निर्धारण करने से पूर्व सबद्ध उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के लिए सामान्य मूल्य अलग से निर्धारित किया गया है ।

सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

अपनाई गई सामान्य कार्य प्रणाली

43. प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण उनकी परिशिष्टवार सूचना और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित उनके समस्त समायोजनों के बाद भारत के लिए उनकी निर्यात कीमत को ध्यान में रखने के बाद किया गया है। स्मरणीय है कि प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादक और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण इन निर्यातकों द्वारा प्रदत्त और प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, स्ववेदशी भाड़े, पत्तन व्यय, बैंक कमीशन, ऋण लागत और वैट वापसी आदि के समायोजन के बाद किया गया है।

मै.सी पी आई सी के लिए निर्यात कीमत

44. सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि कंपनी ने विभिन्न देशों को की गई बिक्रियों के आधार पर अपने रिकॉर्ड नहीं रखे हैं। इसकी बजाए कंपनी अपनी ई आर पी प्रणाली में ग्राहकवार रिकॉर्ड (लेजर लेखा) रखती है और सत्यापन के दौरान भारतीय ग्राहकों के बिक्री रिकॉर्डों का मिलान छिटपुट अंतर को छोड़कर परिशिष्ट 2 और 3 के साथ किया गया था। यह नोट किया गया था कि कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को डी आर, ए आर, सी एस और सी एस एस एम का निर्यात किया है तथा निर्यात कीमत का निर्धारण समस्त सौदों को ध्यान में रखने के बाद भारत औसत के आधार पर किया गया था। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण इन निर्यातकों द्वारा प्रदत्त और प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, स्ववेदशी भाड़े, पत्तन व्यय, बैंक कमीशन, ऋण लागत और वैट वापसी आदि के समायोजन के बाद किया गया है।

शेनडॉंग ताइशान - पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि. (पी डी ओ), ताइशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी), ताइशान फाइबरग्लास झोऊचेंग कं. लि. (झोऊचेंग) के लिए निर्यात कीमत

45. यह नोट किया जाता है कि शेनडॉंग ताइशांग- पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि. ने स्वयं द्वारा उत्पादित चोक्ड स्ट्रॉंड (सी एस) का निर्यात किया है और ताइशान फाइबर ग्लास इंक के जरिए भी ऐसा किया है। ताइशांग फाइबर ग्लास इंक संबद्ध उत्पाद का उत्पादक भी है। ताइशांग फाइबर ग्लास इंक ने उसके द्वारा उत्पादित डायरेक्ट रोबिंग (डी आर), असेम्बल्स रोबिंग (ए आर) तथा चोक्ड स्ट्रॉंड मैट (सी एस एम) तथा शेनडॉंग ताइशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि. द्वारा उत्पादित चोप्ड स्ट्रॉट का भारत को निर्यात किया है। ताइशान फाइबर ग्लास झोऊचेंग कंपनी लि. ने भी ताइशान फाइबर ग्लास के जरिए डायरेक्ट रोबिंग तथा असेम्बल्स रोबिंग का निर्यात किया है।

46. इन कंपनियों ने परिशिष्ट-2 में भारत को किए गए निर्यातों से संबंधित सौदे प्रस्तुत किए हैं। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत आदि के लिए समायोजन का दावा किया गया है। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण इन निर्यातकों द्वारा प्रदत्त और प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, स्ववेदशी भाड़े, पत्तन व्यय, बैंक कमीशन, ऋण लागत और वैट वापसी आदि के समायोजन के बाद किया गया है।

पीपीजी सिनोमा, जिनजिंग फाइबर ग्लास कंपनी लि. (पीपीजी)

47. सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु उसके द्वारा दावा किए गए विभिन्न समायोजनों सहित परिशिष्ट 2 और 3 की जांच की। सत्यापन के दौरान कंपनी से यह कहा गया था कि वह भारतीय आयातकों से प्राप्त भुगतान का ब्यौरा दर्शाते हुए समस्त संगत कागजात प्रस्तुत करे। तथापि, कंपनी संगत रिकॉर्ड दिखाने में असमर्थ रही और सामान्य बैंकिंग माध्यमों के जरिए भारतीय ग्राहकों से प्राप्त निर्यात आय से संबंधित समस्त दस्तावेज भी नहीं दिखा सकी। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने मै पी पी जी की निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है।

जूशी ग्रुप चेंघडू कं. लि. जूशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि., ज्यूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी टोंगजियांग) के लिए निर्यात कीमत

48. जूशी ग्रुप चेंघडू कं. लि. ने डायरेक्ट रोबिंग तथा असेम्बलड रोबिंग का निर्यात किया है। जूशी ग्रुप जिउजियांग कं. लि. ने भारत को डायरेक्ट रोबिंग तथा चोपड स्ट्रॉड और जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी तांगजियांग) ने डायरेक्ट रोबिंग, असेम्बलड रोबिंग, चोपड स्ट्रॉड और चोपड स्ट्रॉड मैट का निर्यात किया है।

49. इन कंपनियों ने परिशिष्ट-2 में भारत को किए गए निर्यातों से संबंधित सौदे प्रस्तुत किए हैं। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत आदि के लिए समायोजन का दावा किया गया है। सत्यापन के पश्चात निर्धारण हेतु समायोजनों का दावा किया गया है। यह नोट किया जाता है कि सभी तीनों कंपनियों ने संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर उसका भारत को निर्यात उनकी संबद्ध कंपनी मै. जूशी (इंडिया) एफ आर पी एक्सेसरीज प्रा.लि., मुंबई को किया है जिसका उसमें ***% हिस्सा है। संबद्ध वस्तु की भारत को बिक्री समुद्रपारीय बिक्री आधार पर अथवा स्टॉकगत और बिक्री आधार पर की गई है। सत्यापन के आधार पर प्राधिकारी ने भारतीय सहायक कंपनी के व्यय और लाभ को ध्यान में रखने के बाद तीनों उत्पादकों और निर्यातकों, प्रत्येक के संबंध में सी आई एफ तथा निवल निर्यात कीमत की गणना की है।

जियाशान ग्लास फाइबर वीविंग फैक्टरी, चीन जन.गण. (जियाशान) के लिए निर्यात कीमत

50. जियाशान ग्लास फाइबर वीविंग फैक्टरी, चीन जन.गण. (जियाशान) ने अनतिम जांच परिणाम के बाद अपना उत्तर प्रस्तुत किया था। व्यापार लाइसेंस से यह नोट किया जाता है कि मै. जियाशान ग्लास फाइबर वीविंग फैक्टरी, की स्थापना एक व्यक्ति द्वारा *** में की गई थी जिसके इस फैक्टरी में ***% शेयर थे। यह फैक्टरी एकल स्वामित्व वाली फर्म है। सत्यापन के दौरान यह पाया गया था कि वह तीनों कंपनियों से रोविंग की खरीद करती है और सी एस एम का उत्पादन करती है। यह भी नोट किया गया था कि उनके द्वारा प्रस्तुत उत्तर के साथ रोविंग, जो एक विचाराधीन उत्पादन था, के उत्पादकों का उत्तर संलग्न नहीं किया गया था। रोविंग के तीनों आपूर्तिकर्ताओं में से केवल एक आपूर्तिकर्ता अर्थात् मै. जूशी ग्रुप ने वर्तमान जांच में भाग लिया और उन्होंने भी घरेलू बिक्री के बो में सूचना प्रस्तुत नहीं की। इसके अलावा, कंपनी समस्त संगत दस्तावेज और भारतीय ग्राहकों से पर्याप्त निर्यात आय के बारे में निर्यात सौदों से संबद्ध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके मद्देनजर

निर्यात कीमत का सत्यापन प्राधिकारी नहीं कर सके । अतः प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर मै. जियाशांग के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है ।

अन्य (असहयोगी निर्यातकों) के लिए निर्यात कीमत

51. चीन जन.गण. के असहयोगी निर्यातकों और सहयोगी निर्यातकों, जिनके आंकड़ों को जांच और सत्यापन के बाद प्राधिकारी ने स्वीकार किया है, के मामले में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समायोजनों सहित निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है । उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत आदि के लिए समायोजन किए गए हैं ।

सहयोगी उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण

52. प्राधिकारी ने प्रत्येक सहयोगी उत्पादक तथा निर्यातक के लिए समग्र उत्पाद हेतु पाटन मार्जिन निर्धारित करने से पूर्व प्रत्येक ग्रेड के लिए पृथक पाटन मार्जिन निकाला है । समग्र उत्पाद के लिए पाटन मार्जिन एवं % में पाटन मार्जिन का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है ।

संबंधित उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

53. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध जांच में कई सहयोगी उत्पादक तथा निर्यातक एक दूसरे से संबद्ध हैं और उन्होंने संबद्ध कंपनियों का एक समूह बनाया है । प्राधिकारी की यह सतत पद्धति रही है कि वह निर्यातक उत्पादकों अथवा एक ग्रुप के संबद्ध उत्पादक को पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु एकल कंपनी मानें और इस प्रकार उनके लिए एक ही पाटन मार्जिन निर्धारित करें । यह इसलिए विशेष है क्योंकि अलग-अलग पाटन मार्जिन की गणना करने से पाटनरोधी उपायों का अपमंचन हो सकता है जिससे वह अप्रभावी बन सकते हैं और संबद्ध निर्यातक उत्पादक न्यूनतम अलग-अलग पाटन मार्जिन वाली कंपनी के जरिए भारत को अपने निर्यात कर सकते हैं ।

54. उपर्युक्त के अनुसार एक ही ग्रुप के संबंधित निर्यातक उत्पादकों को ए ही कंपनी माना गया था और उन्हें एक ही पाटन मार्जिन दिया गया है जिसकी गणना संबंधित समूहों में सहयोगी उत्पादकों के पाटन मार्जिन के भारित औसत के आधार पर की गई थी ।

उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन अम.डॉ./ किग्रा.	पाटन मार्जिन %	ग्रुप पाटन मार्जिन %
मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	****	****	25-35
मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	ताईशांग फाइबर इंक.	****	****	
मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी)	मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी)	****	****	
मै. तियानशान फाइबरग्लास झोऊचेंग कं., लि.	मै. तियानशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी)	****	****	
मै. जूशी ग्रुप वेंगडू कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप वेंगडू कं. लि.	****	****	20-30
मै. जूशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.	****	****	

मै. जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी, टोंगजियांग)	मै. जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी, टोंगजियांग)	****	****	
मै. चोंगक्विंग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी)	मै. चोंगक्विंग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी)	****	****	15-25
अन्य	अन्य	****	****	50-60

छ. क्षति

छ.1. घरेलू उद्योग के अनुरोध

55. घरेलू उद्योग ने ये तर्क दिए हैं कि:

- (क) क्षति अवधि के दौरान चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।
- (ख) आयातों में वृद्धि भारत में हुए कुल आयातों, उत्पादन और खपत की तुलना में काफी अधिक हुई है ।
- (ग) आयातों का भारित औसत मूल्य (मूल सीमाशुल्क सहित) घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रहा है जिससे कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है ।
- (घ) पाटित सीआईएफ निर्यात कीमत से आयातों की पहुंच कीमत में भारी कमी आई है । इसका घरेलू उद्योग पर प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । आयातों की पहुंच कीमत में आई इस कमी से भारतीय उत्पादक विधिसम्मत कीमत वृद्धि करने से वंचित हुए हैं ।
- (ङ) आयातों में वृद्धि होने के कारण क्षमता उपयोग, मालसूची, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय आदि के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है ।
- (च) देश में उत्पाद की मांग में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है जबकि उसी समय घरेलू उद्योग की बिक्री में नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है ।
- (छ) आयातों में समग्र रूप में और उत्पादन तथा खपत की तुलना में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है ।
- (ज) घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में सतत गिरावट प्रदर्शित होती है जिससे विश्व बाजारों में चीन के पाटित वस्तु के बाजार हिस्से में वृद्धि का पता चलता है ।
- (झ) विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है ।

- (ज.) क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की आर ओ आई (एन एफ ए आधार पर) में भारी गिरावट आई है इससे चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों के स्पष्ट कीमत ह्रासकारी तथा न्यूनकारी प्रभाव का पता चलता है जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को भारी घाटा हुआ है ।
- (ट) मालसूची के स्तर में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।
- (ठ) संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु काफी अधिक भी है । घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव अत्यधिक पड़ा है और उसमें धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है ।
56. प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं ।
- (क) वैश्विक मंदी का तात्पर्य भारत में मंदी से नहीं है जहां विश्व बाजार इस अवधि में इस मंदी सू जूझ रहा था वहीं भारतीय बाजार में मांग में आगे और वृद्धि हो रही थी । भारतीय बाजार मंदी से अप्रभावित रहा ।
- (ख) भारत में स्थापित क्षमताएं भारत में उत्पाद की मांग से अत्यंत तुलनीय हैं । क्षमताओं की तुलना से पूर्व गैर-पाटन स्रोतों से हुए आयातों को अलग रखना जरूरी है । भारी मात्रा में आयात भारत सरकार की विभिन्न शुल्क छूट स्कीमों के अंतर्गत सूचित किए गए हैं । चूंकि शुल्क छूट स्कीमों के अंतर्गत आयातों की अनुमति पाटनरोधी शुल्क प्रभारित किए बिना प्रदान की जाती है, इसलिए इस मांग को मांग-आपूर्ति के अंत के निर्धारण में शामिल नहीं किया जाना चाहिए । बहरहाल, घरेलू मांग की पूर्ति करने में घरेलू उद्योग की अक्षमता पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को राहत न देने का कोई कारण नहीं बन सकती ।
- (ग) घरेलू उद्योग को भारतीय और वैश्विक बाजारों में पाटन के कारण क्षति हुई । चूंकि भारतीय बाजार में हुआ पाटन ही प्रासंगिक है, इसलिए निर्यात बाजार में हुई क्षति सर्वथा असंगत है ।
- (घ) जांचोत्तर अवधि में चीन से हुए आयातों में भारी वृद्धि हुई है । निर्दिष्ट प्राधिकारी को भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने पर विचार करना चाहिए ।
- (ङ) चीन के आयातों से कीमतों में उतनी वृद्धि नहीं हुई है जितनी पाटित आयातों के अभाव में हो सकती थी ।
- (च) मांग में वृद्धि के बावजूद माल सूत्री में वृद्धि हुई है ।
- (छ) यद्यपि, घरेलू उद्योग की समग्र घरेलू बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई तथापि, घरेलू उद्योग को 4700 मी.ट. की बिक्री का नुकसान हुआ । बिक्री में यह घाटा सीधे आयात के कारण हुआ ।
- (ज) चीन से हुए आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत से सस्ती कीमत पर उपलब्ध हैं (जो सकारात्मक कीमत कटौती से स्पष्ट होता है) । परिणामतः जहां आयात मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई

वहीं जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजा हिस्से में गिरावट आई । आयात मात्रा में वृद्धि चीन के उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत कम कीमत के कारण ही हुई है ।

(झ) बिक्री मात्रा में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग ने चीन से हुए आयातों के अत्यधिक बाजा हिस्सों के कारण अपना बाजार हिस्सा गंवाया ।

(ज.) चीन से आयातों के कारण घरेलू कीमत में कटौती हो रही है । परिणामतः घरेलू उद्योग कीमत बढ़ाने से वंचित हुआ है ।

(ट) कम कीमत पर हुए पाटित आयातों की उपलब्धता के कारण अपनी कीमत बढ़ाने में घरेलू उद्योग की असमर्थता की वजह से जांच अवधि में लाभप्रदता में भारी गिरावट आई । लाभ में यह गिरावट चीन की ओर से की गई कीमत कटौती के कारण आई है ।

(ठ) कीमत कटौती के कारण लाभ में आई गिरावट से निवेश पर आय और प्रति इकाई नकद लाभ में गिरावट आई । अतः इन मापदंडों में गिरावट चीन से हुए पाटन के कारण आई है ।

(ड) आयातों के बाजार हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई ।

(ढ) लाभ और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक हो गई ।

छ.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के उत्तर

57. विरोधी हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं :

- (क) मात्रात्मक क्षति नहीं हुई है क्योंकि उत्पादन, बिक्री जैसे मात्रा संबंधी विभिन्न मापदंडों में बेहतर वृद्धि प्रदर्शित होती है ।
- (ख) कीमत में कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग विभिन्न बाजार खंड में प्रचालन कर रहा है ।
- (ग) घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीन जन.गण. से आयात कीमत अमरीका या अन्य देशों से आयात कीमत में कम रही है । इसे मात्र इस वजह से पाटित वस्तु नहीं माना जा सकता कि चीन की कीमत अमरीका की कीमत से कम है ।
- (घ) प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद विरोधी पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :
 - i. मांग 140,000 मी.ट. की है जबकि भारती क्षमता केवल 80,000 की है । मांग के अंतर को पूरा करने के लिए आयात जरूरी है ।
 - ii. सूचना से किसी क्षति का पता नहीं चलता है । बाजार हिस्से में गिरावट तीसरे देशों के कारण आई है । उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, निवेश आदि से क्षति का पता नहीं चलता है ।

- iii. वैश्विक मंदी क्षति का कारण है और पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का अभाव है । प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर मंदी के प्रभाव को अलग नहीं किया है ।
- iv. निवेश पर आय में गिरावट का दावा सही नहीं हो सकता । घरेलू उद्योग का लाभ यथोचित बना रहा ।
- v. याचिकाकर्ता के वित्तीय परिणामों से याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए दावे से पूर्णतः भिन्न स्थिति प्रदर्शित होती है ।
- vi. याचिकाकर्ता के भरोसेमंद आयातों के स्रोत अज्ञात हैं ।

छ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

58. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों को नोट किया है । पाटनरोधी नियमों के अनुबंध II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और ; (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच करने का उपबंध है । पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

59. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा- (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

60. प्राधिकारी ने तथ्यों और हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है ।

आयात, मांग, मात्रा तथा बाजार हिस्सा:-

61. देश में उत्पाद की मांग का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा के रूप में किया गया है ।

आयात एवं आयात मात्रा के निर्धारण के आधार के बारे में सामान्य अभ्युक्तियां

62. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तु के हुए आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था। डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त सूचना का विश्लेषण किया गया और उसकी तुलना आई बी आई एस (गौण स्रोत) से प्राप्त सूचना के साथ की गई थी। यह पाया गया था कि डी जी सी आई एंड एस में सूचित आयात की मात्रा आई बी आई एस के आंकड़ों के आधार पर याचिकाकर्ताओं द्वारा सूचित आयात की मात्रा से काफी अधिक है। विस्तृत जांच के बाद वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ डी जी सी आई एंड एस की सूचना को ध्यान में रखना उचित माना गया था।

63. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है।

		2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन से आयात	मी.ट.	5,800	12,425	16,984	25,831
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	214	293	445
अन्य देश	मी.ट.	10,423	12,454	6,631	2,442
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	119	64	23
कुल आयातक	मी.ट.	16,223	24,879	23,615	28,273
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	153	146	174

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि की तुलना में चीन से संबद्ध वस्तु के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके अलावा, प्रत्येक अनुवर्ती वर्ष में आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। इसी समय अन्य देशों से हुए आयातों में भारी गिरावट आई है।

मांग

65. विचाराधीन उत्पाद की मांग में समूची क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई और क्षति अवधि में इसमें 59% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयात की मात्रा में वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से अधिक रही है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
घरेलू उद्योग (घरेलू) की बिक्री	मी.ट.	31,921	34,384	41,741	48,373
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	131	152
निर्यात बिक्री	मी.ट.	25805	20565	26081	16682
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	80	101	65
भारत में निर्यात	मी.ट.	16223	24879	23615	28273
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	153	146	174
भारत में मांग	मी.ट.	48,144	59,263	65,356	76,646
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	136	159
में वृद्धि					
Ø मांग	मी.ट.	-	11,119	6,093	11,290
Ø चीनी आयात	मी.ट.	-	6,625	4,559	21,763
Ø घरेलू उद्योग बिक्री	मी.ट.	-	2,463	7,357	6,632

66. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि की तुलना में उत्पाद की मांग में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। यद्यपि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में भी वृद्धि हुई है तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री में हुई यह वृद्धि जांच अवधि में मांग में हुई वृद्धि से काफी कम ही है। साथ ही साथ घरेलू उद्योग की मालसूची में भारी वृद्धि हुई है।

विभिन्न मापदंडों की तुलना में आयात

67. प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में संबद्ध आयातों की प्रवृत्ति का विश्लेषण किया है। यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान भारत में समान उत्पाद के उत्पादन की तुलना में संबद्ध वस्तु के आयात में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, भारत में घरेलू उद्योग की बिक्री और खपत की तुलना में भी इसमें वृद्धि हुई है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
--	------	---------	---------	---------	----------------------------

चीन से आयात	मी.ट.	5,800	12,425	16,984	25,831
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	214	293	445
भारत में मांग	मी.ट.	48,144	59,263	65,356	76,646
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	136	159
भारत में उत्पादन	मी.ट.	55,707	57,766	68,202	66,078
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	122	119
कुल आयात के % के रूप में चायनीज आयात	%	35.75%	49.94%	71.92%	91.37%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	140	201	256
मांग के % के रूप में चायनीज आयात	%	12.05%	20.97%	25.99%	33.70%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	174	216	280
भारतीय उत्पादन के % के रूप में चायनीज आयात	%	10.41%	21.51%	24.90%	39.09%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	207	239	375
घरेलू उद्योग की बिक्री के % के रूप में चायनीज आयात	%	18%	36%	41%	53%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	199	224	294

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

68. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की कुल मांग तथा घरेलू उद्योग की बिक्री को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से का निर्धारण किया है। निम्नलिखित तालिका से यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 3% की गिरावट आई जबकि इसी समय इसी अवधि के दौरान चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के बाजार हिस्से में 22% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट काफी अधिक मानी गई है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
घरेलू उद्योग	%	66%	58%	64%	63%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	96	95
चीन से आयात	%	12%	21%	26%	34%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	174	216	280
तीसरे देशों से आयात	%	22%	21%	10%	3%

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	47	15
-----------	----------	-----	----	----	----

आयातों का कीमत प्रभाव

69. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। संबद्ध उत्पाद की तुलना निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच की गई थी और उसमें व्यापार के समान स्तर पर समस्त रिबेट और कर शामिल किए गए थे। घरेलू उद्योग की कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया था। तुलना से यह पता चला कि जांच अवधि के दौरान चीन के मूल की संबद्ध वस्तु की भारतीय बाजार में बिक्री उस कीमत पर की गई थी जो घरेलू उद्योग की कीमत से कम थी। अतः यह देखा जाता है कि आयातों से घरेलू कीमत में कटौती हो रही थी और कीमत कटौती के मार्जिन को काफी अधिक माना जाता है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	95	104
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	96	98
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	****	****	****	****
कीमत कटौती %	सूचीबद्ध	20-26%	20-25%	22-27%	18-25%

70. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुए कीमत ह्रास, कीमत न्यूनीकरण और कम कीमत पर बिक्री, यदि कोई हो, के संबंध में हुए घाटे की भी जांच की है। जांच के बाद यह निर्धारित किया जाता है कि घरेलू उद्योग क्षति अवधि की तुलना में बिक्री कीमत में उत्पादन लागत में हुई वृद्धि की तुलना में कम करने के लिए बाध्य हुआ था। कीमत ह्रास वर्ष 2006-07 से काफी अधिक माना जाता है। यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री की है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रू./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	96	98
बिक्री की लागत-घरेलू	रू./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	96	102
क्षति रहित कीमत रू./किग्रा.					****
पहुंच कीमत रू./किग्रा.					****
कम कीमत पर बिक्री रू./किग्रा.					****
कम कीमत पर बिक्री (%)					20-30%

71. अतः यह निर्धारित किया जाता है कि जहां लागत में जांच अवधि में लगभग 2% की वृद्धि हुई वहीं इसी समय घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में 2% की गिरावट आई। अतः यह नोट किया जाता कि घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु की अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने की बजाय अपनी बिक्री कीमत घटानी पड़ी। अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण कीमत ह्रास हो रहा है।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

72. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच करने से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति के विभिन्न मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

(i) उत्पादन

73. उत्पादन निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन	मी.ट.	55,707	57,766	68,202	66,078
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	122	119
मांग	मी.ट.	48,144	59,263	65,356	76,646
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	136	159
क्षमता उपयोग	%	94%	97%	98%	90%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	105	95

यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में उत्पादन में 19% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि उत्पाद की मांग में 59% की वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग ने जांच अवधि में क्षमता का उपयोग नहीं किया अतः प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु का उत्पादन बढ़ाने की आगे और गुंजाइश थी और घरेलू उद्योग का उत्पादन बढ़ने के बावजूद उस पर सामग्री बेचने की घरेलू उद्योग की अक्षमता के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था।

(ii) क्षमता तथा क्षमता उपयोग

74. घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग की प्रवृत्ति का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन	मी.ट.	55,707	57,766	68,202	66,078
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	122	119
मांग	मी.ट.	48,144	59,263	65,356	76,646
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	136	159
स्थापित क्षमता	मी.ट.	59,300	59,300	69,300	73,667
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	117	124
क्षमता उपयोग	%	94%	97%	98%	90%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	105	95

यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2006-07 तथा 2007-08 को छोड़कर जब घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग अधिक था, इसमें क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है। इसके अलावा, क्षमता उपयोग में आई यह गिरावट इस अवधि के दौरान मांग में हुई वृद्धि के बावजूद काफी अधिक है।

(iii) घरेलू बिक्री

75. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में निम्नलिखित तालिका के अनुसार घट-बढ़ हुई है :

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
घरेलू बिक्री	मी.ट.	31,921	34,384	41,741	48,373
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	131	152
निर्यात बिक्री	मी.ट.	25805	20565	26081	16682
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	80	101	65
मांग	मी.ट.	48,144	59,263	65,356	76,646
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	136	159
औसत मालसूची	मी.ट.	5,220	5,463	5,042	5,909
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	97	113
बिक्री दिवसों के रूप में औसत मालसूची	मी.ट.	33	36	27	33
मांग के % के रूप में बिक्री	%	66.30%	58.02%	63.87%	63.11%
में परिवर्तन					
घरेलू बिक्री			2,463	7,357	6,632
मांग			11,119	6,093	11,290

यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है। इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में उत्पाद की मांग में भी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि देश में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण उन्हें बिक्री में भारी घाटा हुआ है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(iv) लाभप्रदता

76. घरेलू समान उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच केवल घरेलू बिक्री के संबंध में की है । यह देखा जाता है कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	96	102
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	96	98
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	64	94	54
लाभ/हानि	लाख रु. में	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	122	82

यह नोट किया जाता है कि लाभप्रदता में गिरावट विचाराधीन उत्पाद की बिक्री के प्रति इकाई लाभ और घरेलू बिक्री से प्राप्त कुल लाभ के संबंध में गिरावट आई है । कुल लाभ में गिरावट बिक्री मात्रा में गिरावट के कारण आई है । इस प्रकार बिक्री मात्रा में बिक्री के बावजूद घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ में भारी गिरावट आई है ।

(v) रोजगार तथा मजदूरी

77. घरेलू उद्योग में रोजगार और संदत्त मजदूरी का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
रोजगार	सं.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	104	104
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	134	151
प्रति कर्मचारी मजदूरी	रु.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	128	145

यह देखा जाता है कि उत्पादन में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है और इसी प्रकार क्षति अवधि में रोजगार और मजदूरी भी बढ़ी है । इस मापदंड से घरेलू उद्योग को हुई किसी क्षति अथवा अन्यथा का संकेत नहीं मिलता है ।

vi) उत्पादकता

78. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नानुसार रही है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सं./मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	118	114
प्रति दिन (350 दिन का उत्पादन मानते हुए)	मी.ट./ दिवस	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	122	119

यह देखा जाता है कि क्षति अवधि में उत्पादकता में वृद्धि हुई है । उत्पादन में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है और इसी प्रकार उत्पादकता में ऐसी ही प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है ।

(vii) निवेश पर आय और नकद प्रवाह

79. निवेश पर आय का निर्धारण उत्पाद के लिए कर पूर्व लाभ तथा लगाई गई पूंजी पर विचार करते हुए किया गया है । नकद प्रवाह पर प्रभाव का निर्धारण मूल्यहास से पूर्व लाभ परंतु ब्याज लागत के बाद पर विचार करते हुए किया गया है । यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में लगाई गई पूंजी पर आय में भारी गिरावट आई है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
लाभ/हानि	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	68	122	82
मूल्यहास	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	114	151
नकद लाभ	रु./लाख	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	118	119
नियोजित पूंजी पर आय - एनएफए आधार	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	53	76	55
स्थापित क्षमता	मी.ट.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	117	124

नकद लाभ में वृद्धि हुई है । यह नोट किया जाता है कि यद्यपि लाभ में भारी गिरावट आई है तथापि, मूल्यहास में वृद्धि हुई है । स्थापित क्षमता में भी वृद्धि हुई है । यह नोट किया जाता है कि क्षमता में वृद्धि के कारण परिसंपत्ति में हुई 24% की वृद्धि की वजह से मूल्यहास में 51% की वृद्धि हुई और नकद लाभ में 19% की वृद्धि हुई ।

(viii) मालसूची

80. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में मालसूची के स्तर में भारी वृद्धि हुई है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
औसत मालसूची	मी. ट.	5,220	5,463	5,042	5,909
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	97	113
बिक्री दिवसों के अनुसार औसत मालसूची	मी. ट.	32	35	26	32
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	82	100
घरेलू बिक्री	मी. ट.	31,921	34,384	41,741	48,373
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	131	152

अतः मालसूची में यह वृद्धि न केवल समग्र रूप में अपितु बिक्री की तुलना में भी हुई है । घरेलू उद्योग ने मौके पर सत्यापन के समय यह रेखांकित किया कि किस प्रकार घरेलू उद्योग के घटके उन स्थानों पर भी सामग्री का भंडारण करने के लिए बाध्य हुए जो स्थान तैयार उत्पादों के भंडारण के लिए नहीं थे और घरेलू उद्योग ने सुरक्षा के सर्वोत्तम सुरक्षा निर्देशों का पालन भी नहीं किया था । घरेलू उद्योग ने यह भी रेखांकित किया कि घरेलू उद्योग पुष्टिकृत ऑर्डरों और ग्राहकों से ऑर्डरों की अपेक्षा किए किए बिना उत्पाद का उत्पादन करता है । उत्पाद का उत्पादन "आर्डर पर निर्मित उत्पाद" के आधार पर नहीं किया जाता है बल्कि इसे "मालसूची के लिए निर्मित" आधार पर उत्पादित किया जाता है । घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वह उस नीति का पालन करता है जिसमें वह लागत को नियंत्रित रखने की संभावित सीमा तक उत्पादन जारी रखने के प्रयास किए जाएं ।

(ix) वृद्धि

81. विभिन्न मापदंडों में हुई वृद्धि से संबंधित सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है । यह देखा जाता है कि कुछ मात्रा में वृद्धि सकारात्मक हुई है और कुछ मात्रात्मक मापदंड और कीमत मापदंड नकारात्मक है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन	%	-	4%	18%	-3%
घरेलू बिक्री	%	-	8%	21%	16%
मालसूचियां	%	-	5%	-8%	17%
बिक्री की लागत प्रति किग्रा.	%	-	-3%	-1%	7%
बिक्री कीमत प्रति किग्रा.	%	-	-5%	2%	2%
आरओआई	%	-	-47%	44%	-28%

यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में प्रदर्शित मात्रात्मक मापदंड के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक हो गई जबकि घरेलू बिक्री के संबंध में यह सकारात्मक बनी रही। इस अवधि में मालसूची में वृद्धि हुई। जहां तक कीमत मापदंडों का संबंध है, जहां बिक्री लागत और बिक्री कीमत में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है वहीं लाभ, निवेश पर आय एवं नकद लाभ में वृद्धि वर्ष दर वर्ष आधार पर नकारात्मक है।

(ix) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

82. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2007-08 में क्षमता में वृद्धि की है और तत्पश्चात जांच अवधि में वृद्धि की है जिसके लिए नए निवेश किए गए हैं। तथापि, यह नोट किया जाता है कि क्षमता में वृद्धि को देश में उत्पाद की मांग में हुई भारी वृद्धि के साथ देखना होगा और यह तथ्य भी ध्यान में रखना होगा कि घरेलू उद्योग देश में उत्पाद के उत्पादन और बिक्री के संबंध में विगत में लाभ की स्थिति में रहा है।

83. याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया है कि ऐसी वर्तमान स्थिति में जिसमें उत्पाद का निष्पादन लगातार पाटन, अत्यधिक नए निवेश के कारण बेहतर निष्पादन नहीं कर रहा है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। यह माना जाता है कि उत्पाद के सतत पाटन और बिक्री निष्पादन में गिरावट का पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता के संबंध में घरेलू उद्योग की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना लाजिमी है।

(x) पाटन का स्तर और पाटन मार्जिन

84. प्रतिवादी निर्यातकों और असहयोगी निर्यातकों के संबंध में उपर्युक्त निर्धारित पाटन मार्जिन अधिक तथा न्यूनतम सीमा से ज्यादा माना जाता है।

ज. कारणात्मक संबंध

85. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य कारकों को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सकता है, निम्नानुसार पाया गया था ।

(i) तीसरे देशों से आयात

86. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से संबद्ध वस्तु के सौदेवार आयात आंकड़े एकत्र किए हैं। केवल अमरीका से न्यूनतम सीमा से अधिक आयातों की सूचना दी गई है क्योंकि अमरीका से भारी मात्रा में आयात हुए हैं इसलिए अमरीका से आयात कीमत की विस्तृत जांच की गई है और उसकी तुलना चीन की आयात कीमत के साथ की गई है । यह पाया गया है कि अमरीका से आयात कीमत चीन से आयात कीमत की तुलना में लगातार अधिक रही है । अंतर की मात्रा काफी अधिक रही है ।

(ii) मांग में कमी

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में अत्यधिक सुधार प्रदर्शित हुआ है । मांग में संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है ।

(iii) खपत की पद्धति में परिवर्तन

88. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और न ही इस बारे में कोई परिमाणी आरोप लगाया गया है । अब तक की गई जांच से वैकल्पिक प्रतिस्पर्धी उत्पादों की मौजूदगी तथा ऐसे वैकल्पिक उत्पादों से हो रही संभावित क्षति का पता नहीं चला है ।

(iv) विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र ऐसा बाजार है जहां चीन जन.गण. से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त संबद्ध वस्तु से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं । यह नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और उनका उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम प्रयोगों में किया जाता है । विदेशी उत्पादकों तथा घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो ।

(v) प्रौद्योगिकी विकास

90. प्रौद्योगिकी विकास का कोई आरोप नहीं लगाया गया है और न ही अब तक हुई जांच से यह पता चला है कि घरेलू उद्योग की संभावित क्षति प्रौद्योगिकी विकास के कारण हो सकती है ।

(vi) निर्यात निष्पादन

91. याचिकाकर्ता ने पर्याप्त मात्रा में निर्यात किए हैं । तथापि, प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों और घरेलू लाभप्रदता पर विचार किया है ।

(vii) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता

92. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है । लाभप्रदता में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण करने का कारण नहीं हो सकता है ।

पाटित आयातों का प्रभाव

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है ।

(क) क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों में भारी वृद्धि हुई है । परिणामतः घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है ।

(ख) संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में ह्रास हो रहा है । चूंकि घरेलू उद्योग ने पहुंच कीमत के आसपास अपनी बिक्री कीमत समायोजित करने की कोशिश की है । तथापि, कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में हुई गिरावट से अधिक रही है । अतः अनंतिम रूप से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के समक्ष कीमत ह्रास चीन जन.गण. से पाटित आयातों की कम कीमत के कारण आया है और इस ह्रास में वर्ष 2006-07 जब आयात की मात्रा में भी पर्याप्त वृद्धि हुई थी, से वृद्धि हुई है ।

(ग) अतः यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण कीमत को घटाने के लिए बाध्य हुआ है जिसकी वजह से लाभ एवं निवेश पर आय में कमी आई है ।

94. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है । घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । पाटन मार्जिन के निर्धारण के अनुरूप संबद्ध कंपनियों को एक कंपनी मानते हुए क्षति मार्जिन का भी निर्धारण किया गया है । क्षति मार्जिन निम्नानुसार निकाला गया है:

क्षति मार्जिन को दर्शाने वाली तालिका

उत्पादक	निर्यातक	आई एम रु/किग्रा.	ग्रुप	आईएम%	ग्रुप
			आईएम रु/किग्रा		
मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	****	****	****	15-25
मै. शेनडोंग ताईशान-पी डी ओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	ताईशान फाइबर ग्लास इंक.	****	****	****	
मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)	मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)	****	****	****	
मै. तियानशान फाइबरग्लास झोऊचेंग कं., लि.	मै. तियानशान फाइबरग्लास इंक. (सी टी जी या कंपनी)	****	****	****	
मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	****	****	****	15-25
मै. जूशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप जियूजियांग कं. लि.	****	****	****	
मै. जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी, टोंगजियांग)	मै. जूशी ग्रुप कं. लि. (जूशी, टोंगजियांग)	****	****	****	
मै. चोंगक्विंग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी या कंपनी)	मै. चोंगक्विंग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी या कंपनी)	****	****	****	5-10
अन्य	अन्य	****	****	****	30-40

95. यथा निर्धारित पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का स्तर काफी अधिक माना गया है ।

छ क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

96. चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों की मात्रा में समग्र स्तर पर और भारत में संबद्ध वस्तु की मांग की तुलना में भी भारी वृद्धि हुई है । यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है । संबद्ध देश से पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और इसे पर्याप्त माना गया है । घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग के पास मालसूची में वृद्धि हुई है । इस प्रकार संबद्ध देश से पाटित आयातों के प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव का पता चलता है ।

97. यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही थी। यह भी निर्धारित किया जाता है कि पाटित आयातों का कीमत ह्रास के रूप में अत्यधिक प्रतिकूल कीमत प्रभाव पड़ा है जिससे लाभ एवं निवेश पर आय में भारी गिरावट आई है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और ऐसी क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के अत्यधिक कीमत तथा मात्रात्मक प्रभाव के कारण हुई है।

98. अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज निष्कर्ष:

99. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

क. संबद्ध देश से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

ग. यह वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के हुए पाटित आयातों के कारण हुई है।

झ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे:

100. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देश से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

101. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इस उत्पाद की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

ट. सिफारिशें

102. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी। निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन,

क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए शुल्क लागू करना अपेक्षित है। प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। यह नोट किया जाता है कि कीमत के संबंध में उत्पाद में काफी अंतर है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के सीआईएफ मूल्य के प्रतिशत के रूप में निकाले जाने वाले मूल्यानुसार शुल्क के रूप में पाटनरोधी उपाय लागू करने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 9 में उल्लिखित प्रतिशत को लागू करते हुए निकाली गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	सीआईएफ मूल्य का %
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. शेनडॉंग ताईशान-पीडीओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	मै. शेनडॉंग ताईशान-पीडीओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	20.89
2	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. शेनडॉंग ताईशान-पीडीओ ग्लास फाइबर प्रोडक्ट्स कं. लि.	ताईशान फाइबरग्लास इंक.	20.89
3	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सीटीजी)	मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सीटीजी)	20.89
4	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. ताईशान फाइबरग्लास जोउचेंग कं. लि.	मै. ताईशान फाइबरग्लास इंक. (सीटीजी)	20.89
5	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	18.67
6	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	18.67
7	7019	ग्लास फाइबर नीचे	ग्लास फाइबर नीचे	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	मै. जूशी ग्रुप चेंगडू कं. लि.	18.67

		यथाउल्लिखित (*)	यथाउल्लिखित	जन. गण.	जन. गण.	(जूशी टोंगजियांग)	(जूशी टोंगजियांग)	
8	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	मै. चोंगजियांग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी)	मै. चोंगजियांग पोलीकॉम्प इंटरनेशनल कार्पोरेशन (सी पी आई सी)	7.46
9	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	अन्य	अन्य	40.91
10	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	40.91
11	7019	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित (*)	ग्लास फाइबर नीचे यथाउल्लिखित	चीन जन. गण. से इतर अन्य कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	40.91

(*) ग्लास रोविंग, (संयोजित रोविंग (ए आर), डाइरेक्ट रोविंग (डी आर) ग्लास चोप्ड स्ट्रॉन्ड्स (सीएस), ग्लास चोप्ड स्ट्रॉन्ड्स मैट्स (सीएसएम) सहित फाइबर ग्लास हैं । विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विशेष रूप से न लाई गई वस्तुएं हैं- ग्लास वूल, फाइबर ग्लास वूल, वूल रूप में फाइबर ग्लास इंसुलेशन, ग्लास यार्न, ग्लास से बुने गए फैब्रिक, ग्लास फाइबर फैब्रिक, ग्लास वीवन फैब्रिक तथा थर्मोप्लास्टिक अनुप्रयोगों के लिए नियत चोप्ड स्ट्रॉन्ड्स, बैटरी सेपरेटर में प्रयुक्त माइक्रो ग्लास फाइबर, सर्फेस मैट, सर्फेस व्हील/टीशू ।

ठ. आगे की प्रक्रिया

103. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं ।

104. केन्द्र सरकार द्वारा अंतिम जांच परिणाम स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियम, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादशुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 6th January, 2011

Subject : Anti-Dumping Investigation concerning imports of Glass Fibre and articles thereof originating in or exported from China PR.—Final findings.

No. 14/28/2009-DGAD.—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed.

- I. The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from M/s. Owens Corning India Limited, Mumbai and M/s. OCV Reinforcement Manufacturing Limited, Hyderabad on behalf of the domestic industry, alleging dumping of glass fiber and articles thereof originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).
- II. Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
- III. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject country.
- IV. The Authority notified the embassy of the subject country in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
- V. The Authority issued a public notice dated 8th January 2010 published in the Gazette of India, Extraordinary, and initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.

- VI. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicant) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
- VII. The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
- VIII. The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- IX. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
 - a) Chongqing Polycomp International Corp, Dadukou District, Chongqing, China-400082.
 - b) Jushi Group Co. Ltd, 699 Wenham Road (South), Tongxiang Economic Development Zone, Tongxiang City, Zhejiang Province-314500, China.
 - c) Taishan Fiberglass Inc., Economic Development Zone, Taian, Shangdong, China.
 - d) Zibo PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Co Ltd, 202 Zhongxin Road Zibo, Shandong Province- 255086.
- X. In response to the initiation notification, the following exporters / producers from China responded:
 - a) Jushi Group Co Ltd (hereinafter also referred to as 'Jushi, Tongxiang')
 - b) CNBM International Corporation
 - c) Jushi Group Jiujiang Co Ltd.
 - d) Changzhou New Changhai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH").
 - e) Jiangsu Changhai Composite Materials Holding Co Ltd (OCH)
 - f) Jushi Group Chengdu Co Ltd
 - g) Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company) (CTG or the Company).
 - h) Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd. ("Zoucheng", the Company)
 - i) Sinoma Jinjing Fiber Glass Co Ltd
 - j) Shandong Aste New Materials Co Ltd
 - k) China National Materials Industry Import & Export Corporation (Sinoma Import & Export, the Company)
 - l) Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd. ("PDO", the Company)
 - m) PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd.
 - n) Sinoma Jinjing Fiber Glass Co., Ltd.

- XI. Following exporter/producer responded subsequent to the preliminary finding:
- 1) Zhejiang Jiashan Glass Fibre Weaving Factory
- XII. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
- a) Kemrock Industries & Exports Ltd.
 - b) Pentair Water India P Ltd
 - c) Amiantit Fibreglass India Limited
 - d) Sundaram Brake Linings Ltd
 - e) Graphite India Limited
 - f) Indore Composite Pvt. Ltd.
 - g) Aksh Optifibre Limited
 - h) Balaji Fibre Reinforcement Pvt. Ltd.
 - i) O. K. Glass Fibre Limited
 - j) Jushi (India) FRP Accessories Pvt. Ltd.
 - k) Sky Fibreglass Solutions Pvt. Ltd.
 - l) Aarvi Composites Pvt. Ltd.
- XIII. In response to the initiation notification, the following importers /users have responded
- a) M/s Kemrock Industries and Exports Ltd, India
 - b) M/s Jushi(India) FRP Accessories Pvt Ltd
 - c) M/s Graphite India Ltd
 - d) M/s Pacific Pipe Systems Pvt Ltd
 - e) M/s SKY Fiberglass Solutions Pvt Ltd
 - f) M/s EPP Composites Pvt Ltd
 - g) M/s Balaji fiber Reinforce Pvt
 - h) M/s Aarvi composites Pvt Ltd
 - i) M/s Kush Synthetics Ltd.
 - j) M/s Amiantit fiberglass Ltd
- XIV. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- XV. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis

- XVI. Information was sought from the applicant and other domestic producers also.
- XVII. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;
- XVIII. Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2008 to 30th Sept. 2009 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2005-06, 2006-07, 2007-08 and POI.
- XIX. The preliminary findings was issued on 2nd June 2010 and a copy of the same was sent to the all the interested parties for their comments. A copy of the same was also put on the website simultaneously for information to all concerned. On the basis of the recommendations of the Designated Authority, Ministry of finance imposed provisional anti dumping duty on 14.07.2010.
- XX. In accordance with Rule 6(6), the Authority also provided an opportunity to all interested parties to present their views orally in a Public Hearing held on 29th July 2010. The interested parties who presented their views in the Public Hearing were requested to file their written submissions of the views expressed orally and to submit their rejoinders one week thereafter.
- XXI. Onsite verification was carried out in respect of cooperating and responding exporters and importers to verify their claims regarding market economy, normal value and export price and on the basis of verification, a verification report was issued on confidential basis to verified exporters and comments received have been duly examined in this final findings subject to being relevant in the subject investigations.
- XXII. In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 23rd November 2010 and comments received thereon have also been duly considered in the findings.
- XXIII. *** in this final findings represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority on merits under the Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

B.1 Product under consideration

3. The Product under consideration in the present investigation as adopted in the initiation notification and preliminary findings is glass fibre and articles thereof, including glass

roving, glass chopped strands (CS), glass chopped strands mats (CSM). Specifically excluded from the scope of the product under consideration were glass wool, glass yarn, glass woven fabrics and chopped strands of a kind generally treated with polyurethane or acrylic emulsion meant for thermoplastic applications.

- 4(a). The following views have been expressed by various interested parties on product under consideration.

B.2 Views expressed by the domestic industry

- I. The product under consideration in the present application is “Glass fibre and articles thereof, excluding glass wool, glass yarn, glass woven fabrics and chopped strands meant for thermoplastic applications”.
- II. Various types of glass fibre are produced using the same or similar raw materials and follow through the same production process.
- III. A large number of glass fibres are produced by the manufacturers globally to meet various specific end applications of the consumers. Production of different types by a producer therefore depends on a number of commercial & technical parameters. The domestic industry possess technical capabilities to produce all kinds of glass fibre by virtue of their affiliations with the global leaders of the product, who are in fact inventors of the product.
- IV. No type of glass fibre should be excluded from the scope of the investigations. Non production of a particular type is more on account of commercial factors (primarily, availability of sufficient demand in the Country and the fact that the same are being produced by their counterparts outside India).

4(b). Following submissions have been made by domestic industry subsequent to preliminary finding:

- a) All glass fibres included in the interim findings constitute one product.
- b) The fact that the product is produced in a large number of different types, where different types may differ in terms of associated product properties and end application, prices does not imply that they constitute distinct commodity/product.
- c) The basis considered by the Authority for exclusion of certain types from product under consideration scope is inconsistent with the law and practice.
- d) The product types sought to be excluded and product types sought to be included fall under the same customs classification.
- e) The possibility of avoiding and circumventing anti-dumping duties in the name of excluded product is significantly high in the present case.

B.3 Views expressed by various interested parties (importers and exporters)

4 (c) Micro-glass fiber imported from China is a specialty product and is different from the glass fiber. It is used in the manufacture of battery separators and high efficiency air and liquid filter media and has a special manufacturing process. There is no domestic manufacturer of this special low diameter glass fiber. Further, micro-glass fiber is being imported to produce separators which are being produced in India for the first time. Imports of micro-glass fiber have not caused injury to the domestic industry.

- I. If the invoice description of the goods imported is “glass wool”, the same should be excluded from the scope of product under consideration.
- II. Glass tissue which falls under the customs heading 70199000 (others) has been imported from China and should be excluded from the scope of the investigation.
- III. Following submissions have been made by opposing parties subsequent to preliminary finding:
 - a) A clarification notification may be issued for exclusion of Glass Wool as customs sometime asking AD duty on this, while this is excluded. It has also been added that Roving, CS, CSM are distinct product. Even Direct Roving and Assembled Roving are different products. Further, HS Code or Exim codes in India classifies Rovings, CSM and CS as different products. It has also been added that SION Norms enclosed by domestic industry shows Roving, CS, CSM as separate product and separate norms are shown therein. Further, Processes are patented separately for Roving, CS, CSM etc. Hence these are different products. Even Owens’ own website provides sufficient details for Roving, CS, CSM etc separately.
 - b) Product scope of code 7019 contains certain types, which are not included in the scope. Product scope is too wide and vague and includes products which are not manufactured by the domestic industry at all.
 - c) Many products such as slivers, thin sheets (voils), webs, mattress, boards, and similar non woven products should be excluded, as these are not produced by domestic industry.
 - d) Para 8 of preliminary findings states that all types of fibre perform same functions of reinforcement, whereas in para 5, it is stated that it is used for thermal insulation, electric insulation, sound absorption, heat and corrosion – none of these are reinforcement. It has also been added that it is incorrect to state that variant of glass fibre follow same pricing.
 - e) Armstrong world industries imports Glass Fibre Acoustical Ceiling Tiles from China PR. This article does not have any resemblances with like article produced by domestic industry and this is not produced in India. These should be excluded.
 - f) It is incorrect to say that no objection has been raised by any party with regard to like article.
 - g) There is difference in boron free Advantex produced by domestic industry and E

glass imported from China. E Glass cannot be substituted by Advantex Glass because of inherent characteristics and pricing

B.4 Examination by the Authority

5. The Authority notes that the scope of product under consideration as defined in the initiation notification is as follows:-

“Product under consideration in the present petition is Glass fibre and articles thereof, including glass rovings, glass chopped strands(CS), glass chopped strands mats(CSM). Specifically excluded from the scope of the product under consideration are glass wool, glass yarn, glass woven fabrics and chopped strands of a kind generally treated with polyurethane or acrylic emulsion meant for thermoplastic applications.”

6. Glass fibre articles are made from extremely fine fibres of glass. Glass fibre articles are essentially reinforcement materials. Various uses for glass fibre articles include thermal insulation, electrical insulation, reinforcement of various materials, tent poles, sound absorption, heat and corrosion resistant fabrics, high strength fabrics, pole vault poles, arrows, bows and crossbows, translucent roofing panels, automobile bodies, hockey sticks, surfboards, boat hulls, and paper honeycomb. The subject goods is classified under chapter 70 of the Customs Tariff Act at subheading no. 7019. The customs classification is however, is for reference purpose only and will have no binding on the scope of the present investigation
7. Glass fibre is an extremely fine fibre of glass. Certain minerals are mixed in a pre-determined composition, melted at high temperature in a furnace in a batch process. The melted material is drawn through bushings to form fibres. A fiberization process is carried out wherein some chemicals are applied and the material is cured. The fibre so produced can be processed further either off line or on line to obtain a large variety of articles. The off line or on line process might involve additional plant and equipments.
8. Petitioners have argued that all types of glass fibre have essentially the same physical and technical characteristics, employ the same technology & follow essentially the same production process, are produced using the same raw materials, perform the same function (i.e., as reinforcement material), follow the same pricing. Depending upon end applications, glass fibre is produced in a large number of different types, distinguished in terms of following product properties –
- a) product form – various forms of glass fibre can be assembled roving, direct roving, volumized direct roving, dry-use chopped strands, wet-use chopped strands, chopped strand mats with emulsion binder, chopped strand mats with powder binder, continuous filament mats with emulsion binder, continuous filament mats with powder binder.
- b) Density – glass fibre can be produced in different densities/linear densities. Density and linear density of glass fibre is measured in terms of gsm (i.e., grams per square meter) and tex (grams/kilometer) respectively.

9. It is noted that various Interested parties have argued that that Roving, CS, CSM are classified and different types of glass fibres are in fact different/distinct products. The Authority has examined the submissions of interested parties and holds that different types of glass fibres are produced using the same or similar raw materials and the production technology and manufacturing process involved is basically the same with some incremental processing required in the case of some of its types. It is also noted that different types have broadly similar physical, chemical and technical characteristics and are basically used for the reinforcement purposes. While it is true that a number of product types require additional production activities, the same are only incremental and does not alter the basic properties of the product. As regards difference in customs classification, the Authority considers that customs classifications are for reference purposes. The Authority also notes that difference in physical characteristics or prices of different types cannot make these types as altogether different products and they are at best relevant for the purpose of ensuring fair comparison.
10. The Authority has examined the requests for exclusion received from various interested parties. The Authority has also examined the argument of interested parties that “articles thereof” is very wide and vague term and should not be specified in the product scope. The Authority agrees with the interested parties that “articles thereof” suffixed to the product description is neither necessary nor appropriate, as the scope of the product under consideration must be most unambiguous and should not lead to any possible misinterpretations. The Authority therefore proposes to delete the words “articles thereof” from the product description.

The Authority notes that domestic industry has not produced micro glass fibre used in battery separator, surface mat/surface veil/tissue during the investigation period. Further, production of these types requires certain additional production facilities, which are not available with the domestic industry. While it may be true that these product types involves mere additional production process, yet, the domestic industry neither possess the requisite the production facilities, nor can offer the same in the market. Further, these types cannot be used where other types within the scope of the product under consideration are used.

11. The Authority therefore excludes these types of the product under consideration from the scope of product under consideration for the purpose of the present investigation. **Thus, for the purpose of present investigations, the product under consideration is glass fibre, including glass roving (assembled rovings(AR), direct rovings (DR), glass chopped strands(CS), glass chopped strands mats(CSM). Specifically excluded from the scope of the product under consideration are glass wool, fibre glass wool, fibre glass insulation in wool form, glass yarn, glass woven fabrics, glass fibre fabric, glass woven rovings and chopped strands meant for thermoplastic applications, micro glass fibre used in battery separator, surface mat/surface veil/tissue.**

C. Like Article

12. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD rules provides as under:

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

13. The applicants claimed that there is no known difference in applicants' product and subject goods exported from the subject country. The two are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods and there is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from the subject country and the both are technically and commercially substitutable.
14. The Authority has examined the matter and notes that there is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and exported from subject country. The subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject country are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Submissions made by the interested parties and on the spot verification conducted at the premises of the Chinese producers and the domestic industry did not show any significant difference between the two products. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any objection in this regard. Subject goods produced by the petitioner companies are being treated as domestic like articles to the subject goods imported from subject country in accordance with the anti-dumping Rules.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

15. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry:

16. The application was filed by M/s. Owens Corning India Limited, Mumbai and M/s. OCV Reinforcement Manufacturing Limited, Hyderabad as domestic industry. The application

was supported by Goa Glass Fiber Ltd, Mumbai. Post initiation, Goa Glass Fiber has provided information relating to injury to the domestic industry. A copy of the non confidential version of the information provided by Goa Glass was made available to interested parties through public file. Further, the company offered itself for verification and the Authority has conducted detailed on the spot verification/investigation at the premises of Goa Glass Fiber.

D.1 Views expressed by opposing interested parties

17. Opposing interested parties have advanced a number of arguments with regard to standing of the petitioner, which are summarized below.
 - a) The petitioner does not meet the requirement of the domestic industry as per the Anti dumping duty (ADD) rules.
 - b) Both the applicant companies M/s Owens Corning (India) Ltd and M/s OCV Reinforcement manufacturing Ltd. are related to a number of exporters from China
 - c) Details of imports made by the companies are provided but the details of the exports made by their related companies to the importers are not yet provided by the companies. This deliberate act is to misled the authority and the related exporter's name is not even shown in the exporters list.
 - d) Onus is on the domestic industry to establish their standing according to the law.
18. The Authority notes that one of the applicants had imported some volumes of the product under consideration in the earlier years i.e. 2005-07. The company claimed that it had imported the subject goods at the time of suspension in its production due to force majeure conditions. The production of the company got disrupted at the time of floods in Maharashtra. However, in order to meet its specific requirements, the company imported the product and sold the same. Since these are imports of the product under consideration at the time of temporary suspension of production and were not in the investigation period, Authority holds that imports of the same do not disqualify the standing of the company as a domestic industry. Further, one of the applicants has been regularly importing some types of glass fibres which are beyond the scope of the product under consideration. Since these are imports of the product not included in the scope of the product under consideration, imports of the same are in any case irrelevant for the present purpose. Further one of the applicants has imported small volumes of one of the product types under investigation during the period of investigation from China. The company has submitted that these imports were made for benchmarking purposes as one of its customers had raised quality issues and the Chinese product was provided to the consumer to establish no difference in the product quality. The Authority after examination and consideration of the arguments of the interested parties holds that volume of these imports is quite small (around 0.1% of total imports, 0.05% of demand in India and 0.06% of Indian production) and has been done for benchmarking purposes (to

establish quality of the domestic industry product). The Authority also holds that the focus of the company continues to be on production within the Country and has not shifted to imports. The company has not behaved differently as opposed to other Indian producers as a result of these imports. The Authority further notes the claim made by domestic industry that these imports were either made or arranged by the company and then supplied to the customers, who had raised quality issues with regard to the products supplies by the domestic industry.

19. In view of the foregoing, the Authority holds that these small volume of imports of the product under consideration do not disqualify the standing of the company to be treated as eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b).
20. With regard to the arguments of the China Glass Fiber Industry Association about the quantum of exports made by Owens Corning China to India, the Authority notes that the producer in China related to exporter has provided certificate confirming total exports made by the company. Thus, it is noted that exports made by the company have been considered by the Authority and the same does not vitiate the position. The Chinese related company has offered itself for verification of the information provided by the company.
21. Having regard to the provision under Rule 2(b) and the facts of the case, the Authority considers it appropriate to treat all three companies as eligible domestic producers within the meaning of Rule 2(b).
22. The Authority thus determines that the application satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules. Further, M/s. Owens Corning India Limited, M/s. OCV Reinforcement Manufacturing Limited and M/s. Goa Glass Fibre Ltd. are being treated as 'domestic industry' within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules.

D.2 Other issues raised by domestic industry

23. The following are other issues raised by the domestic industry

- a) China exports to global markets shows the following pattern of volume and price:

Top of Form Period Bottom of Form	Exported to	Code	Trade Value	Net Weight (MT)	Price
2005	World	7019	\$858,883,906	5,68,872	\$1.51
2006	World	7019	\$1,180,047,237	7,90,115	\$1.49
2007	World	7019	\$1,602,815,862	10,85,215	\$1.48
2008	World	7019	\$1,861,245,490	12,08,208	\$1.54

2009	World	7019	\$1,298,079,150	9,76,643	\$1.33
------	-------	------	-----------------	----------	--------

Source: Unicomtrade data

It is thus, abundantly clear that with the recessionary effect felt by Chinese producers in their export markets, Chinese producers substantially reduced their prices in order to maintain their volumes and started undercutting the prices vary significantly [despite such price undercutting, the Chinese producers have lost about 2.32 lac MT sales in global market, which is about 4-5 times of Indian demand.

- b) The Chinese producers' claim that their product is an inferior product is without any basis and is only an attempt to justify dumping.

D.3 Other issues raised by opposing interested parties

24. Other issues raised by opposing interested parties are as follows

- a) It has been submitted that 60% product is used in glass fibre fabric, GRP pipe, wind mill etc and these are critical infrastructures and any duty imposition would affect supply and competitiveness of these sectors. It has also been added that chinese fibre is low in quality compared to Indian and European product except PPG, OCV China. Further, Technology plays a vital role in product production and this needs to be taken into account by the Authority..
- b) It has been submitted by some interested parties that ingredients and manufacturing process being almost same then the difference in prices of the Indian and Chinese products is only due to the high profit margin of Indian producers. Further, M/s OCV India has monopoly over the Indian market having the prices highest in the world. This is unfair and unethical business practice of the company.
- c) It has been submitted by some interested parties that ADD is only requested to eliminate competition from the Indian market and imposition of AD Duty is not in public interest.
- d) It has been submitted by some interested parties that Petitioner have made only allegation for subsidy, but provided no evidence.
- e) It has been submitted by some interested parties that DGCIS data was not made available to opposing parties.
- f) With regards to imposition of anti dumping duties by EU and Turkey, it has been submitted by some interested parties that dumping by Chinese producers in EU and Turkey has no relevance in Indian investigation. It does not mean dumping in India and it is concerted efforts of Owens Corning group to exclude Chinese goods from their EU, Turkey and Indian market.
- g) It has been submitted by some interested parties that there is no need for imposition of duty retrospectively.

D.4 Examination by the Authority on other issues

25. The Authority has examined the contentions of various interested parties. With regard to claim that Chinese product is of inferior quality, It is noted that it is merely an argument.

And no evidence has been provided to substantiate the argument, nor the alleged difference in quality quantified by the interested parties. The Authority, having regard to on the spot verification at the premises of Chinese and Indian producers plant observes that the production technology, production process and the product offered by the Chinese producers is quite comparable to the Indian producers. The investigation has not shown any possible difference in quality that could justify the difference in prices.

- a) With regard to claim that Owens is trying to eliminate Chinese competition, Authority notes that dumping duty is imposed only to eliminate unfair practice of dumping and is not intended to eliminate fair competition in the market.
- b) With regard to making DGCIS data public, it is noted that transaction wise DGCIS data is not publicly available information. The Authority has called information from several sources, including Government sources for the purpose of the present investigations. It is further noted that information to the extent relied upon and to the extent not confidential in nature is being disclosed to interested parties through the disclosure statement and adequate opportunity is being provided to the interested parties to defend their interests.

F. DUMPING MARGIN

F.1 Submissions of the domestic industry

26. It has been contended by the domestic industry that Chinese producers should be treated as non market economy country, *inter alia*, stating that:
- a) **Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity** – It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has consistently held that possibilities of State interference cannot be ruled out in cases, where there is significant share of a State owned/controlled entity. It has been contended that it is not only the question of past interferences alone, but also possibilities of potential State interference in the future after the imposition of anti dumping duties that is relevant for granting market economy treatment.
 - b) **Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values:** It has been contended by the Domestic industry that “substantially reflect market values” has been widely interpreted to mean that the price of these inputs must be comparable to the prices prevailing in the international market. The Domestic Industry contends that the fact that such prices are comparable to the price prevailing in China PR is grossly insufficient.

- c) **Major inputs include utilities:** It has been contended by the Domestic industry that production of the products concerned require power and fuel as a major item of utility. Admittedly, while the power supplier is a State owned entity, insufficient information is available with regard to fuel supplier. It has not been established by the exporters that the price of utilities reflect fair market values.
- d) **Market economy status cannot be given unless the responding exporters establish that their books are audited in line with international accounting standards:** It has been contended by the Domestic industry that Chinese exporters have repeatedly disputed the treatment of European Commission to reject market economy treatment in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with Chinese GAAP. Chinese companies in such cases have been contending that the requirement of insisting on compliance with International Accounting Standards is beyond law.
- e) **Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied:** It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has repeatedly insisted that market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the Rules.
- f) **Onus/obligations:** It has been contended by the Domestic industry that it is not for the Authority to establish that the responding companies are indeed operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. On the contrary, it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- g) **Transformation:** It has been contended by the Domestic industry that in a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- h) Following submissions have been made by domestic industry subsequent to preliminary finding
- i. Exemption granted to one of the Chinese company is unjustified. The company has resorted to significant dumping. The company has claimed significantly higher prices and the same would not certainly corroborate with the customs data.
 - ii. The Authority has accepted claims made by the exporters for preliminary determination. These claims should have been cross checked with the DGCIS transaction wise information.
 - iii. M/s Zhejiang Jiashan Glass Fibre Weaving Factory filed response just less than a week before the public hearing and their response must be rejected. WTO has extensively dealt with the right of exporters to file information and obligation of the investigating Authorities to accept such information. The interested parties do not have indefinite right

to file the questionnaire response before the Designated Authority as and when they choose so. Acceptance of questionnaire responses in other cases cannot become a sound legal jurisprudence or precedence to be followed by the Designated Authority in other cases as well. Acceptance of response of an importer cannot be equated with acceptance of questionnaire response from an exporter/foreign producer for the reason that importers responses are only to supplement other information. Zhejiang Jiashan Glass Fibre Weaving Factory is not even a manufacturer of glass fibre. It is merely a processor who is buying glass fibre from Jushi or other Chinese producers. The exporter has grossly misled the Authority in claiming itself as a producer of Glass Fibre.

- iv. More than ten Chinese entities have responded to the initiation of notification. However, only two entities have claimed market economy treatment. This fact should not be ignored and the Designated Authority should focus the investigation on this aspect as well, particularly at the time of verification.
 - v. Interim anti-dumping duties imposed range from 12.75% to 23.93% for the co-operating exporters (one company "NCH" has been awarded zero duty on the grounds of no dumping and no injury. The levels of anti-dumping duties are too low and needs to be revised upwards. Considering that Turkey has imposed 38% duty in spite of higher export price from China to Turkey as compared to Chinese exports to India, the quantum of anti-dumping duties in Indian case should, at the least, be higher than the quantum of anti-dumping duties imposed by Turkey.
 - vi. The export price claimed by responding exporters does not appear reliable. Claims of export price made by the Chinese exporters does not corroborate with the prices reported to Indian Customs. The VAT Invoice is the only authentic document which the exporter can provide to establish price at which the goods were exported. Possibilities of Commercial invoice and VAT invoice not getting corroborated are not ruled out as VAT invoice is presented to Chinese customs and commercial invoice to Indian customs. One remains at FOB level, whereas other can be at any level.
 - vii. Given the limited number of transactions per responding exporter and corresponding importer, it is vital to corroborate the claims made by the exporters with the data compiled and consolidated by IBIS and DGCIS
 - viii. The issue of difference in the exporter's claims and the Indian Customs reports had been adequately brought before the Designated Authority in past number of investigations.
 - ix. Only one dumping margin is required to be determined in respect of one product
27. It has been contended by the Domestic industry that failure to satisfy a number of conditions mentioned above by the responding Chinese exporters is sufficient to hold that market economy status cannot be granted to responding Chinese companies and thus the Normal value should be determined in accordance with Para-7 of the Rules. Further, the domestic industry has drawn attention of the Authority to the preliminary findings issued by the EC and the preliminary findings & thereafter disclosure statement issued by Turkey, wherein these investigating authorities have not granted market economy treatment to Chinese companies (barring M/s NCH who has been granted market economy treatment by the EC). The petitioners have further argued that the EC has even

denied individual treatment to Chinese producers, which clearly establish that the Chinese producers cannot claim themselves eligible for market economy treatment.

F.2 Submissions by other interested parties

28. The following are submissions of other interested parties:

- a) Rules provide for the selection of appropriate third country in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the Country and product under consideration.
- b) South Korea is not an appropriate surrogate country to establish normal value in china. No reasons have been provided by the applicants for their selection. More ever, the exporter from South Korea is a related exporter and hence not suitable for determining normal value.
- c) Following submissions have been made by other interested parties subsequent to preliminary finding
 - i. With regards to grant of market economy treatment, it has been submitted by some interested parties that the raw material supplies are not affected by non-market economy conditions and the utility rates in China are at par with the rates of the same in India. Also the gas prices follow the rate of the international gas prices and are not affected by non-market economy conditions. It has been submitted by exporters claiming market economy treatment that all the relevant data are submitted to the Authority.
 - ii. Regarding VAT it has been submitted that adjustments for the the imported inputs should be made. The actual gap in the non-refundable VAT is provided on confidential basis considering 5% VAT refund rate.
 - iii. It has been submitted that adjustment of differences in physical characteristics needs to be made.
 - iv. It has been submitted that Goods not entering into commerce of the Country (import under advance license, duty free schemes, EOU and SEZ) ought to have been excluded.
 - v. It has been submitted that claim of consideration of Korea and Turkey as appropriate third country is unjustified. There is no resemblance to Chinese economy,.
 - vi. It has been submitted that individual determination should be done to all affiliated companies.
 - vii. It has been submitted that merely because EC has considered Turkey as surrogate country for China does not mean that India should also consider Turkey as surrogate country to China.

It has been submitted that different grades of the product are different products and have different end use. Their pricing pattern is different. Therefore, giving one single dumping margin is incorrect.

d) The following submissions/comments have been made by various interested parties subsequent to the issuance of disclosure statement.

(i) The domestic industry has suggested some changes in the product under consideration citing the fact that it will lead to no ambiguity at the time of implementation.

(ii) The domestic industry has voiced concern at the dumping margin calculated by the Authority for various exporters in general and CPIC in particular. They have stated that their own calculations with the data obtained by them from Customs give them higher dumping margins. They have requested the Authority to reconsider the quantum of dumping margin and injury margin. Further, they have requested the Authority to confirm the conclusions arrived by the Authority in the Preliminary findings and have requested the Authority to impose duty on Ad valorem basis.

(iii) Other exporters have requested the Authority to recheck the margins calculated in the disclosure statement keeping in view the adjustments determined by the Authority.

(iv) M/s Zhejiang Jiashan Glass Fibre Weaving factory has commented on the export price, injury and causal link. In particular, they have asked the Authority to conclude injury and causal link affecting the domestic industry in light of the fact that there is little decline in the market share of the domestic industry and ROI of domestic industry continues to be high. They have also commented upon other injury parameters affecting the domestic industry and have asked the Authority to consider them in the final findings. About the export price, they have requested the Authority to re determine the export price as per the amount realised by the exporters.

(v) M/s CPIC has drawn the attention of the Authority towards the facts that imports made under Advance licence route or to SEZ should not be included in the margin determinations by the Authority. They have requested the Authority to re-examine their non MET status which is proposed in the disclosure statement. They have also requested the Authority to impose the duty on grade wise basis. Further, they have drawn the Authority's attention towards excessive confidentiality in the NIP determination.

(vi) One of the importer M/s Saertex India Pvt Ltd, has drawn the attention towards the fact that there is shortage of glass fibres in India and imposition of anti dumping duty will aggravate the demand supply gap and create monopolistic situation of the domestic industry. They have also stated that imposition of anti dumping duty will result in flooding of imports of more downstream products into the country.

(vii) M/s CTG, PDO, M/s Zoucheng and M/s PPG have submitted their comments with respect to export price not accepted by the Authority and has requested the Authority to reconsider their export price and not base it on the basis of facts available.

(viii) M/s China Fiber Glass Industry association has reiterated their comments made in response to Preliminary findings and has requested Authority to re-examine causal link analysis and also the fact that POI taken in this investigation got impacted due to global recession. They have also requested the Authority to examine injury factors in light of the fact that the domestic industry has not suffered volume as well as price effect. They have also commented on the 22% return on capital employed followed by the Authority and has requested Authority to reconsider the same. They have also commented that the Authority should consider granting MET to Chinese companies in the backdrop of previous cases done by the Authority.

(ix) M/s NCH and OCH have represented that their export should be accepted by the Authority as they have realised full exports proceeds.

(x) Other importers have submitted their comments with regard to amending product under consideration.

(xi) M/s Jushi group company have requested the Authority to reconsider notional profit from their export price for taking into account SGA and profit of Indian subsidiary.

F.3 Examination by the Authority

29. The Authority has analyzed above submissions of the various interested parties as follows:

a) The Authority has examined above submissions of interested parties. With regard to grant of market economy treatment to the various producers and exporters who have claimed market economy status, the same has been dealt under the heading of normal values and dumping margins. With regard to treatment of VAT in the determination of export prices and deduction in respect of imported inputs, it is noted that export price has been determined after taking into account un refunded VAT and also the imported inputs which were verified by the Authority following verification visit. With regard to adjustments in the physical and other characteristics, it is noted that for the purpose of comparison between normal values and export prices, the Authority has compared same types and has worked out the dumping margin for each subtype before determining dumping margin for the product as a whole. With regards to the subject goods not entering into the commerce of the country either because of advance licensee route or imports into SEZ, it is noted that these imports have been taken into account for the purpose of working out dumping and injury as these dumped imports adversely affect the opportunities available to

domestic industry to increase their supplies to these exporters and to that extent, the demand of the subject goods declines.

b) Further, the Authority after examining the submissions of various interested parties has not chosen any surrogate country for the purpose of determining normal values. With regards to the other claims, the Authority has examined above submissions of interested parties under the various headings in these findings.

c) With regards to comments made by various interested parties in response to disclosure statement, it is noted that most of the comments are reiteration of the facts earlier made before the Authority and they have been examined under various headings. With regards to margins determined in the disclosure statement with respect to various exporters, it is noted that the same has been rechecked and are duly reflected in the table of dumping margins and injury margins. With regards to various injury criteria affecting domestic industry, it is noted that the Authority has analysed all the mandatory injury criteria and causal link under various headings in this findings. With regards to grant of None MET to CPIC, it is noted that the same has been analysed in the dumping margin headings. With regards to methodology of fixation of duty, it is noted that ad valorem duty has been imposed in this case keeping in view the fact that product under consideration has several grades, costs and prices and duty under reference price and fixed duty may not be appropriate or consistent for the reason that same will imply higher extent of duty on lower value products and lower extent of duty on higher value products. With regards to demand supply gap in India following the imposition of anti dumping duty, it is noted that the purpose of anti-dumping duties; in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

d) With regards to acceptance of export price of PPG group company, it is noted that same has been analysed by the Authority and the Authority confirms its findings with respect to dumping margin as covered in detail in the verification report to the exporter and also in the disclosure statement. With regards to comments made with regards to injury and causal link, the same has been analysed in detail under various headings in this final findings. With regards to applying 22% rate of return on capital employed, it is noted that same is based on consistent practice of the Authority. With regards to MET to Chinese companies, it is noted that same has been examined in detail in the disclosure statement and verification report to the cooperating exporters

(confidential).

e) With regards to claim of Jushi group of company about deduction of notional profit from their export price, it is noted that same has been examined and export price has been determined after taking into account SGA and profit of Indian subsidiary.

NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

General remarks

30. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of present determination.
31. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
 - a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
32. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and two of them have submitted response to the market economy questionnaire consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers

and exporters as verified by the Authority have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows.

Responding producers/Exporters seeking MET

Examination of MET Claim of M/s Changzhou New Changhai Fiberglass Co. Ltd. ("NCH") and M/s Jiangsu Changhai Composite Materials Holding Co Ltd (OCH)

33. NCH and OCH have filed a questionnaire response and also a market economy response (MET) in this matter as a producer and exporter of the subject goods. It is noted that NCH produces the product concerned, sells them in the domestic market and exports them to other countries including India. In the manufacture of the product concerned, certain activities are carried out by OCH a related company on a job work basis. On the basis of the examination conducted in terms of the criteria specified in para 8(3) of the Annexure -1 of the Anti dumping rules and for the reasons explained in the verification report as well as in disclosure statement ; it was found that market conditions substantially prevailed for the subject firms – OCH and NCH. Accordingly, market economy treatment was granted to NCH and OCH.

Normal value, Export Price and Dumping margin for NCH

34. During verification process, the Authority examined Appendix 2 and 3 including various adjustments claimed by it for the purpose of determining Net export price. During verification process, the Authority examined Appendix 2 and 3 including various adjustments claimed by it for the purpose of determining Net export price. During verification, the company was asked to submit all the relevant papers showing details of payment received from Indian importers. However, the company was not able to show relevant records and all the documents pertaining to transactions that it had realized the export proceeds from the Indian customers through the normal banking channels. During the verification process, the exporters in view of the same, export price could not be verified by the Authority. In view of the above, the Authority has determined the export price for M/s NCH as per facts available.
35. As no export price has been verified by the Authority in view of the fact that the responding exporter has not been able to produce all the necessary documents relating to exports of subject goods to India, it is considered appropriate not to grant separate dumping margin to M/s NCH.

Examination of MET Claim of Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC)

36. During the verification, it was noted that the Company was originally established on August 27, 1991 under the approval of Ministry of Foreign Trade & Economic Cooperation of PRC. The original investors were Chongqing Glassfiber Factory (hereinafter referred as "CGF") which is a state owned company, PC International Inc.

(hereinafter referred as "PCI"), Glass Strand Inc. (hereinafter referred as "GSI"), and Polysys Inc. (hereinafter referred as "PI"), and the registered capital was USD **** million. With regards to ownership, it is noted that M/s CPIC is a majority owned state company and is managed by the publicly listed Yunnan Yuntianhua Co., Ltd (YYCL), Carlyle Group, one of world's largest private equity firms, as well as Shareholders from the US and Saudi Arabia.

37. In view of the fact that there is overwhelming control of state in the said company and the company is majority state owned and also the fact that majority of the directors are from state owned company, it is considered appropriate not to grant market economy treatment to CPIC. On the basis of the examination conducted in terms of the criteria specified in para 8(3) of the Annexure -1 of the Anti dumping rules and for the reasons explained in the verification report as well as in disclosure statement, MET has not been granted to CPIC in this subject investigation.

Determination of Normal value for other Producers/Exporters

38. Apart from the above producers and exporters who have submitted response to MET questionnaire and claimed MET treatment, the following producers and exporters have responded to the exporters questionnaire and offered verification of information submitted by them. These producers and exporters have not claimed market economy treatment and have sought separate dumping margins based on their export prices.
- a. Jushi Group Chengdu Co. Ltd. (producer and Exporter)
 - b. Jushi Group Co. Ltd.(Producer and Exporter)
 - c. Jushi Group Jiujiang Co. Ltd.
 - d. Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd – producer and exporter
 - e. Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company) (CTG or the Company).
 - f. Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd. ("Zoucheng", the Company)
 - g. PPG Sinoma Jinjing Fiber Glass Company, Ltd.
 - h. Zhejiang Jiashan Glass Fibre Weaving Factory
39. It is noted that none of the these producers and exporters have filed the MET response and they have also not claimed MET treatment in this response. The Authority recalls that as per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. In this case, the cooperating exporters/producers of the subject goods from China were required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the criteria as listed in the subject rules. However, as these producers and/ exporters have not submitted market economy questionnaire response in terms of the above rules, the normal value has been constructed based on the criteria as mentioned below.

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR who have not claimed MET and also for those whose MET Claim has not been accepted

40. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments"

41. As stated above, Authority does not consider it appropriate to give market economy treatment to the Chinese producers. Therefore, normal value is being determined in accordance to the Rules. In the initiation notification, comments were invited from all interested parties about suitability of Korea as appropriate surrogate country for determination of normal value for China. Subsequent to the initiation, some of the interested parties have opposed consideration of Korea as surrogate country. It has been claimed that Authority should consider representativeness of market, size of concerned market, the fact whether volume of transaction used in analogue country is at least 5% of export from such NME country to India, openness of market, effective competition, access to raw materials, and whether there is significant difference in access to raw material in subject country and analogue country. Further, one interested party has given reference of EC case relating to gas fuelled non refillable flint lighter from China. It is further claimed by them that India is appropriate surrogate country to China and normal value in China should be determined considering India as surrogate country.
42. The views/submissions of interested parties in this regard have been examined. In view of the arguments advanced, the Authority has not taken Korea RP as a surrogate country for determination of normal value for China PR. The Authority has constructed the normal value for China PR considering international prices of major raw materials, consumption factor of domestic industry and conversion cost of domestic industry. The normal value has been determined separately for each type of product concerned before determining for product under consideration as a whole. .

Export Price for cooperating exporters

General methodology followed

43. For the responding exporters, the export price has been determined after taking into account their prices to India given in their appendix wise information and all adjustments

claimed by them and verified by the Authority. It may be recalled that the Authority had verified the information submitted by the cooperating producer and exporter. The Net export price has been determined after adjustment for ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses, bank commission, credit costs, and VAT refund etc. as per information provided by these exporters and verified by the Authority.

Export Price for M/s CPIC

44. It was noted during the verification that the company does not keep its records on the basis of sales made to various countries. Instead, the company maintains a customer wise records (Ledger Accounts) in their ERP system and during verification, the sales records of the Indian customers were reconciled with the Appendix 2 and 3 barring minor variations. It was noted that the company has exported DR, AR, CS and CSM during POI to India and export prices were determined on a weighted average basis after considering all the transactions. The Net export price has been determined after adjustment for ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses, bank commission, credit costs, and VAT refund etc. as per information provided by the exporter and verified by the Authority.

Export Price for Shandong Taishan – PDO Glass Fibre Products Co. Ltd (PDO), Taishan Fibreglass Inc. (CTG), Taishan Fibreglass Zoucheng Co Limited (Zoucheng).

45. It is noted that Shandong Taishan – PDO Glass Fibre Products Co. Ltd have exported Chopped Strand (CS) produced by itself as also through Taishan Fibreglass Inc. Taishan Fibreglass Inc. is also producer of product concern. Taishan Fibreglass Inc. have exported Direct Roving (DR), Assembled Roving(AR) and Chopped Strand Mats (CSM) to India produced by itself and Chopped Strands produced by Shandong Taishan – PDO Glass Fibre Products Co. Ltd. Taishan Fibreglass Zoucheng Co Limited have also exported Direct Roving and Assembled Roving through Taishan Fibreglass.
46. These companies have furnished transactions relating to exports to India in Appendix 2. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, credit cost etc. The Net export price has been determined after adjustment for ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses, bank commission, credit costs, and VAT refund etc. as per information provided by the exporter and verified by the Authority.

Export Price for PPG Sinoma Jinjing Fibre Glass Company Ltd. (PPG)

47. During verification process, the Authority examined Appendix 2 and 3 including various adjustments claimed by it for the purpose of determining Net export price. During

verification, the company was asked to submit all the relevant papers showing details of payment received from Indian importers. However, the company was not able to show relevant records and all the documents pertaining to transactions that it had realized the export proceeds from the Indian customers through normal banking channels. In view of the same, export price could not be verified by the Authority. In view of the above, the Authority has determined the export price for M/s PPG as per facts available.

Export Price for Jushi Group Chengdu Co Limited, Jushi Group Jiujiang Co Limited, Jushi Group Co Ltd. (Jushi Tongxiang)

48. It is noted that M/s Jushi Group Chengdu Co Limited have exported Direct Roving and Assembled Roving, Jushi Group Jiujiang Co Limited have exported Direct Roving and Chopped Strands and Jushi Group Co Ltd. (Jushi Tongxiang) have exported Direct Roving, Assembled Roving, Chopped Strand and Chopped Strand Mats to India.
49. These companies have furnished transactions relating to exports to India in Appendix 2. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, credit cost etc. Adjustments claimed have been allowed for the purpose of determination after verification. It is noted that all three companies have produced and exported the subject goods to India to their affiliated company M/s Jushi (India) FRP Accessories Pvt Ltd, Mumbai in which it has a *****% stake. The subject goods have been sold to India either on a high sea sale basis or on stock and sale basis. On the basis of verification, the Authority has worked out CIF and Net export price in respect of each of three producers and exporters after taking into account expenses of Indian subsidiary and profit.

Export Price for Jiashan Glass Fibre weaving Factory, China PR (Jiashan)

50. M/s Jiashan Glass Fibre weaving Factory, China PR had submitted their response after the provisional findings. It is noted from the business licence that M/s Zhejianng Jiashan Glass Fibre Weaving factory was established in 1997 by one person, who holds 100% share of the factory. This factory is a sole proprietorship firm. During the verification it was found that they procure Rovings from three companies and produce CSM. It was further noted that the response filed by them was not accompanied with response from producers of Roving, which was a product under consideration. Out of the three suppliers of Roving only one supplier namely M/s- Jushi Group have participated in the current investigation and they have also not submitted information on domestic sales. Further, the company was not able to show relevant records and all the documents pertaining to exports transactions that it had realized the export proceeds from the Indian customers. In view of the same, export price could not be verified by the Authority. In view of the above, the Authority has determined the export price for M/s Jishan as per facts available.

Export Price for Others (non cooperating exporters)

51. In case of non cooperating exporters and cooperating exporters from China PR whose data have not been accepted by the Authority following examination and verification,

export price including adjustments has been determined as per facts available. Adjustments have been made on account of ocean Freight, Marine insurance, credit cost etc as per facts available.

Determination of Dumping margins for cooperating producers and exporters

52. The Authority has worked out separate dumping margin for each grade before determining the dumping margin for the product as a whole for every cooperating producer and exporter. The dumping margins and dumping margin in percentages are mentioned in the table below for product as a whole.

Dumping margin for related producers and Exporters

53. It is noted that in the subject investigations many cooperating producers and exporters are related to each other and form a group of related companies. It has been a consistent practice of the Authority to consider related exporting producers or exporting producers belonging to the same group as one single entity for the determination of a dumping margin and thus to establish one single dumping margin for them. This is in particular because calculating individual dumping margins might encourage circumvention of anti-dumping measures, thus rendering them ineffective, by enabling related exporting producers to channel their exports to India through the company with the lowest individual dumping margin.
54. In accordance with the above, the relating exporting producers belonging to the same group were regarded as one single entity and attributed one single dumping margin which was calculated on the basis of the weighted average of the dumping margins of the cooperating producers in the respective groups

Producer	Exporter	DM US\$/Kg	DM%	Group DM %
M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	****	****	25-35
M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	Taishan Fiberglass Inc	****	****	
M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG)	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG)	****	****	

M/s Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd.	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG)	****	****	
M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	****	****	20-30
M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	****	****	
M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	****	****	
M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC)	M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC)	****	****	15-25
Others	Others	****	****	50-60

G. INJURY

G.1. Submissions by the domestic industry

55. The domestic industry has argued that:

- Volume of dumped imports from China PR has increased very significantly in absolute terms over the injury period.
- Imports have increased significantly in relation to total imports, production and consumption in India.
- Weighted average import prices (after including basic customs duties) have been significantly below the net sales realization of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting.
- The dumped CIF export price triggered a substantial reduction in the landed price of imports. This had direct adverse impact on the domestic industry. Reduction in the landed price of imports prevented the Indian Producers from effecting legitimate price increases.
- With the increase in imports, the performance of the domestic industry deteriorated in terms of capacity utilization, inventories, market share, profits, return on investments, etc.
- The demand of the product in the country shows a positive trend whereas sales of the domestic industry at the same time show a negative trend.

- g) As a result of increase in imports in absolute term and relative to production and consumption, share of the domestic industry has declined.
- h) The export quantities of domestic industry shows continuous decrease indicating significant market share of dumped Chinese goods in the world markets.
- i) The performance of the domestic industry for product under consideration has deteriorated over the injury period.
- j) ROI (NFA Basis) of the domestic industry has significantly deteriorated over the injury period. This clearly shows the price depression and suppression effect of dumped imports from China PR that has resulted in significant losses to the domestic industry.
- k) There has been a considerable increase in the level of inventories.
- l) The dumping margin from subject country is not only more than de minimis but also very substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant and is gradually intensifying.

56. Following submissions have been made by domestic industry subsequent to preliminary finding

- a) Global recession does not mean recession in India. Whereas the global market was suffering from recession in this period, the demand in the Indian market increased further. Indian market was unaffected by recessionary effects.
- b) The capacities installed in India are quite comparable to the demand for the product in India. Imports from non-dumping sources need to be excluded before comparing with capacities. A very significant proportion of imports are reported in various duty exemption schemes of the Govt. of India. Since imports under duty exemption schemes are permitted without charging anti-dumping duties, this demand in any case should not be included to determine demand-supply gap. In any case, inability of the domestic industry to meet the domestic demand cannot be a factor for denying relief to the domestic industry from dumped imports.
- c) Domestic industry suffered injury due to dumping in Indian and global markets. Since dumping in Indian market alone is relevant, injury suffered in the export market is entirely irrelevant.
- d) There is significant increase in imports from China in the post investigation period. The Designated Authority should consider retrospective imposition of anti dumping duty.
- e) Chinese imports are preventing the price increases that would have occurred in the absence of dumped imports.
- f) Inventories have shown rising trend inspite of increase in demand.
- g) Even though overall domestic sales volumes of the domestic industry have increased, the domestic industry lost sales to the extent of 4700 MT. This loss in sales is directly to imports.
- h) Imports from China are available in the market at prices cheaper than domestic industry (which is evident from positive price undercutting). Consequently, whereas the volume of imports increased significantly, market share of the domestic industry declined in POI. Increase in the import volumes is only because of lower price offered by the Chinese producers;

- i) In spite of increase in sales volume, domestic industry lost market share because of significant market share is gained by Chinese imports;
- j) Imports from China are undercutting the domestic prices. Consequently, the domestic industry has been prevented from increasing the prices;
- k) Inability of the domestic industry to increase its prices because of availability of low priced dumped imports led to significant decline in profitability in the POI. The deterioration in profits is due to price undercutting suffered from China;
- l) Decline in profits as a result of price undercutting suffered led to decline in return on investment and cash profits per unit. Deterioration in these parameters is therefore due to dumping from China.
- m) Market share of the imports increased significantly and that of domestic industry declined.
- n) Growth of the domestic industry became negative in terms of profits and ROI.

G.2. Response from other interested parties

57. The following issues have been raised by the opposing interested parties

- a) There is absence of volume injury as various volume parameters like production, sales show healthy growth.
- b) There is no price injury as Domestic Industry is operating different market segment.
- c) Domestic Industry has claimed that import prices from China PR are lower than the import prices from USA or other countries. It cannot be treated as dumped goods merely because the Chinese prices are below that of USA.
- d) Following submissions have been made by opposing parties subsequent to preliminary finding
 - i. Demand is 140,000 MT whereas Indian capacity is just 80,000. Imports are necessitated to fill demand supply gap.
 - ii. The information does not show any injury. Market share decline is due to 3rd countries. Production, sales, capacity utilization, inventory etc. does not show injury.
 - iii. Global recession is the cause of injury and there is absence of causal link between dumped imports and injury to the domestic industry. The Authority has not segregated recession effect on the domestic industry.
 - iv. The claim of ROI decline cannot be correct. Profits of the domestic industry continued to be reasonable.
 - v. Financial results of petitioner shows absolutely different picture than claimed by the petitioners.
 - vi. Source of imports relied upon by the petitioner is unknown.

G.3. Examination by the Authority

58. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. Annexure II of AD Rules provides for objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in domestic market for the like articles; and (b) the consequent impact on domestic producers of such products. While examining the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine

whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to price effect of dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increase which would have otherwise occurred to a significant degree.

59. As regards the impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of AD Rules states as under:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

60. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments of the interested parties.

Import, Demand, Volumes and Market share:-

61. Demand of the product in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources.

General remarks about Import and Basis of determination of import volumes

62. A request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods made in India during the past three years and the period of investigation. The information received from DGCI&S was analyzed and the same was compared with the information received from the IBIS (secondary sources). It was found that the volume of imports reported in DGCI&S is significantly higher than the volume of imports reported by the petitioners on the basis of IBIS data. After detailed examination, it was considered appropriate to take into account the information from DGCI&S for the purpose of the present findings.
63. It is noted that imports of the subject goods from subject country has increased significantly in absolute terms during the injury period. Further, the market share of subject country has increased significantly during the same period as shown in the table.

		2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualised)
Imports from China	MT	5,800	12,425	16,984	25,831
Trend	Index	100	214	293	445
Other Countries	MT	10,423	12,454	6,631	2,442
Trend	Index	100	119	64	23
Total Imports	MT	16,223	24,879	23,615	28,273
Trend	Index	100	153	146	174

64. The Authority notes that imports of the subject goods from China have shown a significant increase over the injury period. Further, imports have increased significantly in absolute terms in every successive year. Imports from other countries have, at the same time, declined significantly.

Demand

65. Demand for the product under consideration increased throughout the injury period and has grown by 59% during the injury period. Further, imports of the subject goods from subject country have increased in absolute terms during the same period. It is also noted that increase in imports from subject country was more than the increase in demand.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualised)
Sales (domestic) of Domestic industry	MT	31,921	34,384	41,741	48,373
Trend	Index	100	108	131	152
Export sales	MT	25805	20565	26081	16682
Trend	Index	100	80	101	65
Imports in India	MT	16223	24879	23615	28273
Trend	Index	100	153	146	174
Demand in India	MT	48,144	59,263	65,356	76,646
Trend	Index	100	123	136	159
Increase in					
Ø Demand	MT	-	11,119	6,093	11,290
Ø Chinese imports	MT	-	6,625	4,559	21,763
Ø Domestic industry sales	MT	-	2,463	7,357	6,632

66. It is noted that the demand for the product has successively increased over the injury period. Though sales of the domestic industry have also increased during the same period, increase in sales of the domestic industry is significantly less than increase in demand in the period of investigation. At the same time, inventories with the domestic industry increased significantly.

Imports in relation to various parameters

67. The Authority has analysed the trend of subject imports in relation to production and consumption in India. It is noted that imports of the subject goods increased in relation to production of the like product in India during the injury period. Further this has also increased in relation to consumption as well as sales of the domestic industry in India.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI (Annualised)
Imports from China	MT	5,800	12,425	16,984	25,831
Trend	Index	100	214	293	445
Demand in India	MT	48,144	59,263	65,356	76,646
Trend	Index	100	123	136	159
Production in India	MT	55,707	57,766	68,202	66,078
Trend	Index	100	104	122	119
Chinese Imports as % of total imports	%	35.75%	49.94%	71.92%	91.37%
Trend	Index	100	140	201	256
Chinese imports as % of demand	%	12.05%	20.97%	25.99%	33.70%
Trend	Index	100	174	216	280
Chinese imports as % of Indian Production	%	10.41%	21.51%	24.90%	39.09%
Trend	Index	100	207	239	375
Chinese imports as % of domestic industry sales	%	18%	36%	41%	53%
Trend	Index	100	199	224	294

Market share of domestic industry

68. The Authority has determined the market share of the domestic industry by taking into account the total demand of the subject goods and sales of the domestic industry. It is noted from the table below that the market share of the domestic industry declined by 3% during the injury period while at the same time market share of subject goods from China PR has increased by 22% during the same period. The decline in market share of the domestic industry is considered significant.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Domestic industry	%	66%	58%	64%	63%
Trend	Index	100	88	96	95
Imports from China	%	12%	21%	26%	34%
Trend	Index	100	174	216	280
Imports from third countries	%	22%	21%	10%	3%
Trend	Index	100	97	47	15

3861/2011-H.

Price effect of imports

69. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry for domestic market net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in China were sold in the Indian market at prices which were lower than the domestic industry's prices. It is thus seen that imports were undercutting the domestic prices and margin of undercutting is considered significant.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Landed Price	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	98	95	104
Selling Price of Domestic Industry	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	95	96	98
Price undercutting	Rs/Kg	****	****	****	****
Price Undercutting %	Index	20-26%	20-25%	22-27%	18-25%

70. The Authority has also examined price depression, price suppression and price underselling if any, suffered by the domestic industry on account of dumped imports from subject country. After examination, it is determined that the domestic Industry is forced to decrease the selling price more than the decrease in the cost of production over the injury period. The price depression is considered significant especially since 2006-07 onwards. It is also noted that the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Net Selling Price of Domestic Industry	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	95	96	98
Cost of Sales – Domestic	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	97	96	102
Non Injurious Price Rs/Kg					****
Landed Price Rs/Kg					****

Price underselling Rs/Kg	****
Price underselling (%)	20-30%

71. It is thus determined that whereas the costs increased by approx 2% in POI, the selling price of domestic industry declined by 2% during the same time. Hence, it is noted that domestic industry rather than increasing its sales price of subject goods had to reduce its selling prices. It is thus concluded that the imports from subject country are causing price suppression.

Economic parameters of the domestic industry

72. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

(i) Production

73. The production is shown in the table below.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Production	MT	55,707	57,766	68,202	66,078
Trend	Index	100	104	122	119
Demand	MT	48,144	59,263	65,356	76,646
Trend	Index	100	123	136	159
Capacity Utilization	%	94%	97%	98%	90%
Trend	Index	100	104	105	95

It is noted that the production has increased by 19% in POI. Further it is noted that the demand for the product has increased by 59% and the Domestic Industry had unutilized capacity in POI. Thus, the Authority determines that there was a further scope for increase in production of subject goods by domestic industry during the POI and even though the production of the domestic industry has increased, the same was adversely impacted due to inability of the domestic industry to sell the material.

(ii) Capacity & capacity utilization

74. The trend of capacity & capacity utilization of the domestic industry is mentioned in the table below:

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Production	MT	55,707	57,766	68,202	66,078
Trend	Index	100	104	122	119
Demand	MT	48,144	59,263	65,356	76,646
Trend	Index	100	123	136	159
Installed capacities	MT	59,300	59,300	69,300	73,667
Trend	Index	100	100	117	124
Capacity Utilization	%	94%	97%	98%	90%
Trend	Index	100	104	105	95

It is noted that the capacity utilization of the Domestic Industry has declined over the injury period, except in 2006-07 and 2007-08 when it was higher. Further, the decline in capacity utilization is significant despite significant increase in the demand over the period.

(iii) Domestic sales

75. The domestic sales of Domestic Industry moved as shown in table below

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Domestic Sales	MT	31,921	34,384	41,741	48,373
Trend	Index	100	108	131	152
Export sales	MT	25805	20565	26081	16682
Trend	Index	100	80	101	65
Demand	MT	48,144	59,263	65,356	76,646
Trend	Index	100	123	136	159
Average Inventory	MT	5,220	5,463	5,042	5,909
Trend	Index	100	105	97	113
Average Inventory as days sales	MT	33	36	27	33
Sales as a % of demand	%	66.30%	58.02%	63.87%	63.11%
Changes in					
Domestic Sales			2,463	7,357	6,632
Demand			11,119	6,093	11,290

It is noted that the domestic sales has increased over the injury period. Further it is noted that the demand for the product has also increased over the injury period. The domestic industry has argued that they have lost significant sales due to presence of dumped imports into the country. Authority further noted that inventory of the domestic industry increased significantly.

(iv) Profitability

76. The profitability of the domestic industry in respect of domestic like product has been examined only in respect of domestic sales. It is seen that profitability of the domestic industry for the subject goods has significantly deteriorated in the POI.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Cost of Sales	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	97	96	102
Net Sales Realization	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	95	96	98
Profit/loss	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	64	94	54
Profit/loss	Rs in lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	68	122	82

It is noted that the profitability declined in both respect – profit per unit of sales and total profit earned from domestic sales of the product under consideration. The decline in total profits is despite increase in sales volumes. Thus, profits earned by the domestic industry declined significantly despite increase in the sales volumes.

(v) Employment and Wages

77. Employment with the domestic industry and wages paid were as follows:-

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Employment	Nos	989	1003	1030	1030
Trend	Index	100	101	104	104
Wages	Rs. Lacs	2932	3233	3920	4439
Trend	Index	100	110	134	151
Wage per employee	Rs.	2.96	3.22	3.81	4.31
Trend	Index	100	109	128	145

It is seen that the production has increased over the injury period and so the employment and wages have increased over the injury period. This parameter does not indicate any injury or otherwise to the domestic industry.

vi) Productivity

78. Productivity of the domestic industry was as follows

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Productivity per Employee	No/MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	102	118	114
Per day (considering 350 days production)	MT/Day	****	****	****	****
Trend	Index	100	104	122	119

It is seen that the productivity has increased over injury period. The production has increased over the injury period and so the productivity shows a similar trend.

(vii) Return on investments and cash flow

79. The return on investment has been determined considering profit before interest and capital employed for the product. Impact on cash flow has been determined considering profit before depreciation but after interest cost. It is noted that return on capital employed have significantly deteriorated in POI.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Profit/loss	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	68	122	82
Depreciation	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	120	114	151
Cash Profit	Rs./Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	96	118	119
Return on capital employed - NFA Basis	%	****	****	****	****
Trend	Index	100	53	76	55
Capacity installed	MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	100	117	124

The cash profits have seen an increase. It is noted that the while profit has significantly declined, the depreciation has increased. The capacity installed has also increased. It is noted that due to asset additions on account of increase in capacity by 24%, the depreciation has increased by 51% and the cash profits have increased by 19%.

(viii) Inventories

80. It is noted that there is significant increase in the level of inventories in the POI.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Average Inventory	MT	5,220	5,463	5,042	5,909
Trend	Index	100	105	97	113
Average Inventory as days sales	MT	32	35	26	32
Trend	Index	100	110	82	100
Domestic sales	MT	31,921	34,384	41,741	48,373
Trend	Index	100	108	131	152

Thus, the increase in inventories is not only absolute but also relative to sales. The domestic industry highlighted at the time of on the spot verification how the constituents of the domestic industry were forced to store the material even at locations which were not meant for storage of finished goods and notwithstanding the best safety guidelines followed by the domestic industry. Domestic industry also highlighted that the domestic industry largely produces the goods without firm orders and in anticipation of orders from the customers. The product is not “made to order item” and is largely “made to inventories” item. The domestic industry has submitted that they follow a policy wherein the efforts are to continue production to the extent possible in order to contain costs.

(ix) Growth

81. Information with respect to growth in various parameters is given in the table below. It is seen that growth in terms of some volume is positive & some volume parameters and price parameters is negative.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI Annualized
Production	%	-	4%	18%	-3%
Domestic sales	%	-	8%	21%	16%
Inventories	%	-	5%	-8%	17%
Cost of sales per kg	%	-	-3%	-1%	7%
Selling price per kg	%	-	-5%	2%	2%
ROI	%	-	-47%	44%	-28%

It is noted that growth of the domestic industry with regard to volume parameter as reflected in production & capacity utilization became negative in period of investigation whereas the same continued to be positive in respect of domestic sales. Inventories have surged over the period. With regard to price parameters, whereas cost of sales and selling price have shown a decline trend, the growth in profits, return on investment and cash profits is negative on year on year basis.

(ix) Ability to raise capital investments

82. It is noted that the domestic industry has enhanced capacities in 2007-08 and thereafter in period of investigation, for which fresh investments have been made. It is, however, noted that the enhancement of capacity has to be seen along with significant increase in demand of the product in the country and the fact that domestic industry has been profitable in the past with regard to production and sale of the product in the Country.
83. The Petitioner has argued that given the current state of affairs where the product is consistently not performing well because of persistent dumping, substantial fresh investments cannot even be imagined. It is provisionally held that continued dumping of the product and decline in financial performance are bound to adversely impact the ability of the domestic industry to raise capital investments.

(x) Level of dumping and dumping margin

84. The dumping margin established hereinabove in respect of responding exporters and non cooperative exporters are considered significant and above the de minimis level.

F. CAUSAL LINK

85. The Authority has examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found as follows

(i) Imports from third countries.

86. The Authority has collected the transaction-wise imports data of the subject goods from DGCI&S. Imports beyond de-minimis limits had been reported only from USA. Since there are significant imports from USA, the import price from USA has been examined in detail and compared with import price from China. It is found that import prices from USA were consistently higher than import prices from China. The extent of the difference has been quite significant.

(ii) Contraction in demand

87. The Authority notes that the demand for the subject goods has shown significant improvement during the injury period. Possible contraction in demand could not have caused injury to the domestic industry.

(iii) Changes in the pattern of consumption

88. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change, nor there is any quantified allegation in this regard. The investigation so far has not shown existence of alternate competing products and possible injury being caused by such alternate products.

(iv) Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers

89. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from China PR compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

(v) Developments in Technology

90. There is no allegation of developments in technology, nor the investigation so far has shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

(vi) Export performance

91. The petitioner has significant exports. However, the Authority has considered only domestic operations and domestic profitability.

(vii) Productivity of the Domestic Industry

92. There is no material change in productivity of the domestic industry. Possible decline in productivity cannot be the reason for the established injury to the domestic industry.

Effect of dumped imports

93. The Authority notes that the following parameters show that material injury to the domestic industry is due to dumped imports.

(a) The dumped imports from subject country have significantly increased over the injury period. Resultantly, the market share of the domestic industry declined.

(b) Dumped imports from subject country is depressing the prices of the domestic industry. As, the domestic industry has tried to align its selling prices close to the landed prices, there has been a decline in prices more than decrease in cost of production. It is noted that price depression being felt by the domestic industry is due to lower prices of dumped imports from China PR and this depression has increased from 2006-07 when the volume of imports have also increased significantly.

(c) Thus, it is noted that the domestic industry is forced to decrease prices in due to presence of dumped imports in the market resulted in decline in profits and return on investment.

94. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry taking into consideration cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. In line with the determination of dumping margins, the injury margin has also been determined for the related companies together taking them as one entity. The injury margins have been worked out as follows:

Table showing Injury Margin

Producer	Exporter	IM Rs/Kg	Group	IM%	Group
			IM Rs/Kg		IM %
M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	****	**** **** **** ****	****	15-25
M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	Taishan Fiberglass Inc .	****		****	
M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company)	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company)	****		****	
M/s Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd.	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG or the Company)	****		****	
M/s Jushi Group	M/s Jushi Group	****	****	****	15-25

Chengdu Co Ltd	Chengdu Co Ltd		****		
M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	****	****	****	
M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	****		****	
M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC or the Company)	M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC or the Company)	****	****	****	5-10
Others	Others	****	****	****	30-40

95. The level of dumping margins and injury margins as determined are considered significant.

G Conclusion on Injury and causation

96. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from China PR at the absolute level and also in relation to demand of subject goods in India. It is noted that the market share of the dumped imports has increased and that of domestic industry has declined. The dumping margin from subject country has been determined and is considered significant. Capacity utilization of the domestic industry has declined and inventories with the domestic industry have increased. Thus, the dumped imports from subject country show adverse volume effect.
97. It is also noted that the dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market. It is also determined that the dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price depression which in turn have led to significant deterioration in profits and return on investments. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused significantly by price and volume effects of dumped imports from the subject country.
98. The Authority therefore, holds that material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

H. Conclusions:

99. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject country below Normal values.

- (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from subject country.
- (c) The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

I. Indian industry's interest & other issues:

- 100. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
- 101. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

J. Recommendations

- 102. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of duty is required to offset dumping and injury. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. It is noted that there is a significant differentiation of the product in terms of prices.

Therefore, Authority recommends imposition of anti-dumping measure as an ad valorem duty, to be worked out as a percentage of the CIF value of imports of the subject goods from the subject country. Accordingly, antidumping duty equal to the amount arrived at by applying the percentage indicated in Col 9 of the duty as below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

Duty table

Sl. No	Heading /	Description of goods	Specification	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	% of CIF Value
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	20.89
2	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Shandong Taishan-PDO Glass Fiber Products Co., Ltd.	Taishan Fiberglass Inc.	20.89
3	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG)	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG)	20.89
4	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Taishan Fiberglass Zoucheng Co., Ltd.	M/s Taishan Fiberglass Inc. (CTG)	20.89
5	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	M/s Jushi Group Chengdu Co Ltd	18.67
6	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	M/s Jushi Group Jiujiang Co. Ltd	18.67

7	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	M/s Jushi Group Co Ltd ('Jushi, Tongxiang')	18.67
8	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC)	M/s Chongqing Polycomp International Corporation (CPIC)	7.46
9	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	China PR	Others	Others	40.91
10	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	40.91
11	7019	Glass Fibre as described below (*)	Glass Fibre as described below	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	40.91

- (*) glass fibre, including glass roving (assembled rovings(AR), direct rovings (DR)), glass chopped strands(CS), glass chopped strands mats(CSM). Specifically excluded from the scope of the product under consideration are glass wool, fibre glass wool, fibre glass insulation in wool form, glass yarn, glass woven fabrics, glass fibre fabric, glass woven rovings and chopped strands meant for thermoplastic applications, micro glass fibre used in battery separator, surface mat/surface veil/tissue.

L. Further Procedure

103. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings
104. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority